सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 302, नई दिल्ली । शुक्रवार, 10 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 केजरीवाल ने अन्ना हजारे को धोखा देकर सत्ता हासिल की : सांसद भोला सिंह
06 गिरती प्रजान दर भविष्य का नया संकट
08 ओडिशा के निवासी विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा करेंगे....

दिल्ली चुनाव 2025: ट्रांसपोर्टरों की क्या हैं 7 बड़ी मांगें?
तैयार किया चुनावी मांगपत्र; युवाओं को रोजगार की चिंता

संजय बाटला

दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद आल इंडिया मोटर एवं गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने 7 सूत्रीय मांगपत्र जारी किया है। इसमें ग्रीन टैक्स की समस्या पार्किंग सुविधाओं का अभाव माल और ट्रक चोरी यातायात पुलिस का व्यवहार वाहनों की फिटनेस सुविधा प्रदूषण के चलते डीजल वाहनों पर प्रतिबंध और सवारी बसों से माल ढुलाई जैसे मुद्दे शामिल हैं। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही विभिन्न संगठन भी सक्रिय हो गए हैं तथा राजनीतिक दलों को अपने क्षेत्र विशेष की मांगों की सूची तैयार कर उसे राजनीतिक दलों को सौंपने लगे हैं।

साथ ही पार्टी प्रमुखों से मांग कर रहे हैं कि वह इसे अपने घोषणापत्र में स्थान दें तथा सत्ता में आने के बाद उस पर क्रियान्वयन करें। आल इंडिया मोटर एवं गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने मांगपत्र जारी करते हुए बताया कि इस सात सूत्रीय मांगपत्र को जल्द आप के साथ ही भाजपा और कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रमुखों को सौंपा जाएगा।

ये हैं मांगें

दिल्ली में ग्रीन टैक्स की वजह से ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है, जबकि अन्य राज्यों में यह लागू नहीं है।

पड़ोसी राज्यों से माल भाड़ा अधिक होने से प्रतियोगिता में असमानता पैदा होती है। ऐसे में दिल्ली में आने वाले सामान से लदे ट्रकों को ग्रीन टैक्स से छूट दी जाए।

पार्किंग सुविधाओं का अभाव

दिल्ली में मालवाहक वाहनों के लिए पर्याप्त और उचित पार्किंग सुविधाएं नहीं हैं। मौजूदा पार्किंग स्थलों पर मनमानी वसूली की जाती है। ऐसे में मालवाहक वाहनों के लिए नई पार्किंग सुविधाएं विकसित करने और अवैध वसूली के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रविधान हो।

माल और ट्रक चोरी

दिल्ली पुलिस माल चोरी की शिकायत दर्ज करने और उस पर कार्रवाई में देरी करती है। स्टाफ और तकनीक की कमी के कारण मामलों का समाधान नहीं हो पाता। ऐसे में प्रत्येक जिले में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े अपराधों के लिए विशेष क्राइम टीम का गठन किया जाए।

यातायात पुलिस का व्यवहार

यातायात पुलिस मालवाहक ट्रकों को चालान और अवैध वसूली के लिए रोकती है, जबकि यातायात संचालन पर ध्यान कम देती है। ऐसे में यातायात पुलिस को केवल कानून उल्लंघन की स्थिति में ही ट्रक रोकने का निर्देश दिया जाए।

वाहनों की फिटनेस सुविधा

दिल्ली में फिटनेस सेंटर सिर्फ झुलझुली, नजफगढ़ में है, जिससे व्यवसायियों को असुविधा होती है। सीमित फिटनेस सुविधाओं के कारण आर्थिक नुकसान होता है। ऐसे में दिल्ली में और अधिक फिटनेस सेंटर खोले जाएं।

प्रदूषण के चलते डीजल वाहनों पर प्रतिबंध

प्रदूषण बढ़ते ही डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है, जिससे ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को भारी नुकसान होता है। नई सरकार प्रदूषण नियंत्रण के दीर्घकालिक समाधान पर कार्य करे, ताकि व्यवसाय और आमजन दोनों को राहत मिले।

सवारी बसों से माल ढुलाई

सवारी बसों का माल ढुलाई के लिए अवैध उपयोग हो रहा है, जिससे कर चोरी और अनियमितता बढ़ रही है।मांग है कि परिवहन विभाग, जीएसटी और पुलिस के बीच समन्वय से ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए।

युवाओं को रोजगार व प्रदूषण रहित दिल्ली के लिए भी है चिंता

दिल्ली में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। पांच फरवरी को राजधानी के मतदाता अपनी सरकार चुनने के लिए मतदान करेंगे। इनमें युवा मतदाताओं के वोट भी अहम होंगे। दिल्ली में 18 से 19 वर्ष के दो लाख से अधिक मतदाता हैं। युवाओं में सर्वाधिक चिंता शिक्षा पर बढ़ रहे खर्च और रोजगार की है।

हालांकि, दिल्ली की खराब हवा को लेकर वे चिंतित हैं और इसमें सुधार चाहते हैं। यह मुद्दे उनके लिए काफी मायने रखते हैं। युवाओं का कहना है कि कौशल विकास पर राज्य सरकार ने खूब फोकस किया है, लेकिन, जमीनी हकीकत में काम होता नहीं दिख रहा है।

सरकार की ओर से बनाए गए कौशल विकास केंद्र कुछ खास नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय में डिप्लोमा कोर्स की फीस बढ़ा दी गई है। इससे वंचित वर्ग के छात्र सर्वाधिक परेशान हुए हैं। राज्य स्तर पर केंद्र की तर्ज पर विश्वविद्यालय खोले जाने चाहिए, जिससे छात्रों को सस्ती शिक्षा दी जा सके।

आने वाली दिल्ली सरकार से जनता भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी शासन की उम्मीद करेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता होगी। - नीतू पांचाल

दिल्ली सरकार से युवाओं की सबसे बड़ी अपेक्षा यह है कि वह रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योग और व्यापार में सुधार लाए। - निपांशु, छात्रा

यमुना नदी की सफाई और स्वच्छता के मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि दिल्ली एक स्वच्छ और हरित शहर बन सके। - पुलकित मनडावरिया

दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण में विफल रही है। वायु प्रदूषण, यमुना की सफाई, और कचरा प्रबंधन में सुधार की दिशा में ठोस प्रगति नहीं हुई है। - ऋषिता डागर, छात्रा

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली-एनसीआर में फिर लागू हुआ ग्रैप-3, जानें किन कार्यों पर रहेगी पाबंदी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। इसको देखते हुए एक बार फिर से ग्रैप-3 की पाबंदियों को लागू करने का फैसला लिया गया है।

नई दिल्ली। राजधानी में ठंड का प्रकोप बढ़ने के साथ ही हवा बेहद खराब हो गई है। ऐसे में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार से एक बार फिर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) तीन लागू कर दिया है। इसके तहत निर्माण व विध्वंस कार्यों पर रोक लगा दी है। वहीं, बीएस तीन पेट्रोल और बीएस चार माल वाहक वाहनों का प्रवेश बंद हो गया है। केवल जरूरी सामान लाने वाले वाहनों को इसमें छूट दी गई है।

साथ ही, एनसीआर से आने वाली अंतरराज्य बसों को दिल्ली में नहीं आने दिया जाएगा। हालांकि, इलेक्ट्रिक व सीएनजी बसों और बीएस-6 डीजल बसों को इसमें छूट दी गई है। उधर, ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली बसों, टेम्पो ट्रैवलर को भी छूट दी गई है। इसमें दिव्यांग व्यक्तियों को बीएस-तीन पेट्रोल व बीएस-चार डीजल एलएमवी चलाने की अनुमति है। वहीं, कक्षा पांचवीं तक के स्कूलों को हाइब्रिड मोड में संचालित करने की सलाह दी है।

घने कोहरे, कम मिक्सिंग हाइट, परिवर्तनशील हवाओं और प्रतिकूल मौसम संबंधी स्थितियों के कारण इसमें वृद्धि का रुझान दिख रहा है। ऐसे में समिति ने वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के प्रयास में एनसीआर में ग्रेप के चरण तीन को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

ग्रेप तीन के तहत इन कार्य पर रहेगी पाबंदी

-पूरे एनसीआर में धूल पैदा करने वाली व वायु प्रदूषण फैलाने वाली सीएंडडी गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध रहेगा।

-बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी का काम।

-पाइलिंग कार्य, सभी विध्वंस कार्य।

-ओपन ट्रेंच सिस्टम द्वारा सीवर लाइन, पानी की लाइन, ड्रेनेज और इलेक्ट्रिक केबलिंग आदि बिछाना।

-ईंट/चिनाई कार्य।

-प्रमुख वेल्डिंग और गैस-कटिंग कार्य, हालांकि, एमईपी (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग) कार्यों के लिए छोटी वेल्डिंग गतिविधियों की अनुमति दी जाएगी।

-सड़क निर्माण गतिविधियां और प्रमुख मरम्मत।

-परियोजना स्थलों के भीतर व बाहर कहीं भी सीमेंट, फ्लाई-ऐश, ईंट, रेत, पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण, लोडिंग/अनलोडिंग।

-कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही।

-विध्वंस अपशिष्ट का कोई भी परिवहन।

नए जोड़े गए नियम

- बीएस-3 स्टैंडर्ड या इससे नीचे के मीडियम गुड्स वीकल (एमजीवी) अब दिल्ली में नहीं चल सकेंगे। जरूरी सामान लेकर आ रहे एमजीवी को इसमें छूट दी गई है।

- बीएस-3 और इससे नीचे के मीडियम गुड्स करियर जो दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड हैं, उन्हें दिल्ली में नहीं आने दिया जाएगा। जरूरी सामान से जुड़े वाहनों इसमें शामिल नहीं हैं।

- एनसीआर से आने वाली इंटरस्टेट बसों को दिल्ली में नहीं आने दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक बसों, सीएनजी बसों और बीएस-6 डीजल बसों को इसमें छूट दी गई है। साथ ही ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली बसों, टेम्पो ट्रैवलर को भी छूट दी गई है।

ग्रेप-3 में लोगों के लिए सीएक्यूएम की सलाह

-कम दूरी के लिए साइकिल का करें इस्तेमाल या चलें पैदल।

-संभव होने पर कार पूलिंग का लें सहारा।

-सार्वजनिक परिवहन का करें इस्तेमाल।

-दफ्तर से इजाजत मिलने पर वर्क फ्रॉम होम पर चले जाएं।

-निर्माण कार्य समेत दूसरी प्रदूषण पैदा करने वाली गतिविधियों का रोकें।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने देश की पहले हाइड्रोजन-सीएनजी वाहन बाजा का किया अनावरण

परिवहन विशेष न्यूज

इस मौके पर मंत्री गडकरी ने कहा कि हम लगातार इथेनॉल, बायोडीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग बढ़ावा दे रहे है। देश में अब इसका चलन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उनकी इनोवा कार इथेनॉल और बिजली से चलती है। वह प्रदूषण नहीं करती है।

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पीथमपुर में देश की पहली हाइड्रोजन-सीएनजी से लने वाले वाजा व्हीकल का अनावरण किया। इस वाहन को कॉलेज के छात्रों ने बनाया है। इस वाहन के लिए एटीवी व्हीकल की तकनीक वॉल्वो आयशर की तरफ से उपलब्ध कराई गई। यह वाहन पांच प्रतिशत हाइड्रोजन और सीएनजी के मिश्रण से चलता है।

इस मौके पर मंत्री गडकरी ने कहा कि हम लगातार इथेनॉल, बायोडीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग बढ़ावा दे रहे है। देश में अब इसका चलन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उनकी इनोवा कार इथेनॉल और बिजली से चलती है। वह प्रदूषण नहीं करती है। उन्होंने कहा कि सरकार वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है।

पीथमपुर में नेट्रैक्स पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आटो इंडस्ट्री में अब लगातार रोजगार के अवसर मिल रहे है। पांच सालों में इस सेक्टर में पांच लाख नौकरियां मिली है। वे करीब एक घंटे तक पीथमपुर में रुके। इसके बाद वे इंदौर के लिए रवाना हुए।

सड़क हादसों के पीड़ितों को मिलेगा डेढ़ लाख रुपये तक कैशलैस इलाज

परिवहन विशेष न्यूज

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से तैयार योजना के तहत सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार दिया जाएगा। वर्तमान में यूटी चंडीगढ़ और पुडुचेरी में इस योजना को लागू किया गया है। अब पायलट कार्यक्रम में इसे हिमाचल और मध्यप्रदेश में लागू करने की योजना है।

शिमला। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को कम करने के लिए केंद्र सरकार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से योजना तैयार की गई है। योजना में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार दिया जाएगा। दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक व्यक्ति कैशलेस इलाज का हकदार होगा।

वर्तमान में यूटी चंडीगढ़ और पुडुचेरी में इस योजना को लागू किया गया है। अब पायलट कार्यक्रम में इसे हिमाचल और मध्यप्रदेश में लागू करने की योजना है। इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन राष्ट्रीय स्वास्थ्य अथॉरिटी की ओर से स्थानीय पुलिस, राज्य स्वास्थ्य एजेंसी, पैनलबद्ध अस्पतालों के समन्वय से किया जाएगा। इस संबंध में नेशनल हेल्थ एजेंसी (एनएचए) और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से आवश्यक प्रशिक्षण कार्य किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक की ओर से समस्त प्रदेश के समस्त सीएमओ और एमएस को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

दुर्घटना के बाद का समय गोल्डन ऑवर्स

सड़क हादसों के दौरान पीड़ितों को जल्द इलाज मिलना बेहद जरूरी होता है। दुर्घटना के बाद का समय गोल्डन ऑवर्स कहलाता है। मगर इस दौरान इलाज न मिल पाने के कारण कई मरीजों की मौत हो जाती है। इसे ही कम करने के लिए कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक सड़क दुर्घटना से संबंधित मौतों और चोटों को आधा किया जाए। समय पर चिकित्सा उपचार प्रदान करना, विशेष रूप से गोल्डन अवधि के दौरान कीमती जीवन को बचाया जा सकेगा।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से योजना तैयार की गई है। सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार दिया जाएगा। कार्यक्रम का क्रियान्वयन राष्ट्रीय स्वास्थ्य अथॉरिटी की ओर से किया जाएगा। स्थानीय पुलिस, राज्य स्वास्थ्य एजेंसी, पैनलबद्ध अस्पतालों के समन्वय से योजना को धरातल पर उतारा जाएगा। विस्तृत गाइडलाइन का इंतजार किया जा रहा है-

प्रवीण चौधरी, सीएमओ, हमीरपुर।

झड़ते बालों को रोकना ही नहीं बल्कि बाल उगाना भी हुआ आसान, जानें आयुर्वेदिक समाधान

एक ऐसा आयुर्वेदिक तेल है, जो 16 प्राकृतिक हर्बल घटकों का बेहतरीन मिश्रण है। यह तेल आपके बालों को पूरी तरह से पोषण देने और उन्हें स्वस्थ, लंबा और मजबूत बनाने में मदद करता है।

आजकल के भाग-दौड़ भरे जीवन में बालों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। प्रदूषण, तनाव, और गलत आहार के कारण बालों की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। लेकिन अब, बालों की समस्याओं का समाधान मिल चुका है। Herb Ocean Hair Oil by Roshni Botanicals एक ऐसा आयुर्वेदिक तेल है, जो 16 प्राकृतिक हर्बल घटकों का बेहतरीन मिश्रण है। यह तेल आपके बालों को पूरी तरह से पोषण देने और उन्हें स्वस्थ, लंबा और मजबूत बनाने में मदद करता है।

हर्ब ओशियन हेयर ऑयल का अद्भुत मिश्रण

इस तेल में 16 हर्बल तत्व शामिल हैं और यह तेल आयुर्वेदिक विधियों से तैयार किया गया है। इनमें मुख्य रूप से आंवला, भृंगराज, रोज़मेरी, जटामांसी, चिरिला, नीम, गुड़हल के फूल, गुलाब और अन्य महत्वपूर्ण हर्बल तत्व शामिल हैं। इन सभी का मिश्रण बालों की सेहत के लिए अत्यंत प्रभावशाली है जिस कारण यह तेल सर्टिफाइड है आपके नये बालों को उगाने के साथ साथ उन्हें झड़ने से रोकने के लिए भी।

- आंवलाः बालों की जड़ों को मजबूत करता है और बालों के झड़ने को रोकता है।
- भृंगराजः बालों की वृद्धि को प्रोत्साहित करता है और सिर की त्वचा को स्वस्थ रखता है।
- जटामांसीः तनाव को कम करने और बालों को झड़ने से रोकने में मदद करता है।
- चिरिलाः बालों में नमी बनाए रखता है और उन्हें शुष्क होने से बचाता है।
- नीमः सिर की त्वचा की समस्याओं जैसे की डैंड्रफ और खुजली को दूर करता है।
- गुड़हल के फूलः बालों की शाइन को बढ़ाता है और उन्हें मुलायम बनाता है।
- गुलाबः बालों को सौम्यता और चमक देता है।

इन प्राकृतिक और हर्बल तत्वों का मिश्रण आपके बालों को अंदर से बाहर तक पोषण देता है और बालों को लंबा, मजबूत और चमकदार बनाता है। यह तेल आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से बना है इसलिए यह आपके दिमाग के तनाव को भी कम करने में मदद करता है।

इस तेल से क्या लाभ मिलेगा?

- बालों की वृद्धि में मददः यह तेल बालों की जड़ों को मजबूती प्रदान करता है, जिससे बालों की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।
- बालों का झड़ना और टूटना रोकेः इसका हर्बल मिश्रण बालों के झड़ने और टूटने को रोकता है।
- डैंड्रफ और खुजली से राहतः नीम और अन्य हर्बल तत्व सिर की त्वचा को स्वस्थ रखते हैं और डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा दिलाते हैं।
- सूखापन और स्प्लिट एंड्स से छुटकाराः यह तेल बालों को गहरी नमी प्रदान करता है, जिससे बाल मुलायम रहते हैं और स्प्लिट एंड्स की समस्या खत्म हो जाती है।
- कोई कृत्रिम रंग या रसायन नहींः इस तेल में कोई भी कृत्रिम रंग, रसायन या हानिकारक तत्व नहीं हैं इसलिए यह पूरी तरह से प्राकृतिक और सुरक्षित है।

आयुर्वेदिक तकनीक का उपयोग

इस तेल को पूरी तरह से आयुर्वेदिक तकनीकों के अनुसार तैयार किया गया है, जैसा कि हमारे प्राचीन वेदों में उल्लेखित है। यह तेल न केवल बालों को बाहरी तौर पर सुंदर बनाता है, बल्कि यह आंतरिक रूप से भी बालों को स्वस्थ बनाता है।

किसके लिए उपयुक्त है?

इस तेल का उपयोग वह सभी महिलायें और पुरुष कर सकते हैं, जो लंबे, मजबूत और स्वस्थ बाल चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा है जो बालों के झड़ने, गंजापन, डैंड्रफ, सूखेपन, या स्प्लिट एंड्स की समस्या से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, यह उन लोगों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प है जो रासायनिक तत्वों से दूर रहकर प्राकृतिक तरीके से बालों की देखभाल करना चाहते हैं।

उपयोग विधि

इस तेल को सप्ताह में 2-3 बार बालों की जड़ों में अच्छी तरह से मसाज करें। इस तेल को रातभर या 1-2 घंटे तक बालों में लगा रहने दें और फिर शैम्पू से धो लें। इससे बालों में चमक और मजबूती आएगी।

हर्ब ओशियन हेयर ऑयल एक प्राकृतिक और आयुर्वेदिक समाधान है, जो आपके बालों को सुंदर, स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक सभी गुण प्रदान करता है। यदि आप बालों की देखभाल में प्राकृतिक तत्वों को प्राथमिकता देते हैं, तो यह तेल आपके लिए एक आदर्श विकल्प है। आप इस तेल को इनकी वेबसाइट (www.roshnibotanicals.com) से या फिर अमेज़न से खरीद सकते हैं।

पानी से संभव है लाइलाज बिमारियों का उपचार बस पीना है ऐसे

जल(Pani) है औषध समान
अजीर्णे भेषजं वारि जीर्णे वारि बलप्रदम।
भोजने चामृतं वारि भोजनान्ते विषप्रदम।।
'अजीर्ण होने पर जल-पान औषधवत हैं। भोजन पच जाने पर अर्थात भोजन के डेढ़- दो घंटे बाद पानी पीना बलदायक है। भोजन के मध्य में थोड़ा पानी(Pani) पीना (अर्थात दो अन्न के बीच में जैसे रोटी व चावल दोनो खा रहे हैं तो रोटी खाने बाद चावल खाने से पहले बीच मे अमृत के समान है और भोजन के अंत में विष के समान अर्थात पाचनक्रिया के लिए हानिकारक है।' (चाणक्य नीति :८.७)

पानी से रोगों का इलाज / उपचार :

१) अल्प जल-पान : उबला हुआ पानी (Pani)ठंडा करके थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पीने से अरुचि, जुकाम, मंदाग्नि, सुजन, खट्टी डकारें, पेट के रोग, नया बुखार और मधुमेह में लाभ होता है।

२) उष्ण जल-पान : सुबह उबाला हुआ पानी गुनगुना करके दिनभर पीने से प्रमेह, मधुमेह, मोटापा, बवासीर, खाँसी-जुकाम, नया ज्वर, कब्ज, गठिया, जोड़ों का दर्द, मंदाग्नि, अरुचि, वात व कफ जन्य रोग, अफरा, संग्रहणी, श्वास की तकलीफ, पीलिया, गुल्म, पार्श्व शूल आदि में पथ्य का काम करता है।

३) प्रातः उषापान : सूर्योदय से २ घंटा पूर्व, शौच क्रिया से पहले रात का रखा हुआ आधा लीटर से सवा लीटर पानी पीना असंख्य रोगों से रक्षा करनेवाला है। शौच के बाद पानी न पियें।

औषधिसिद्ध जल :

१) सोंठ-जल : दो लीटर पानी(Pani) में 5 ग्राम सोंठ का चूर्ण या १ साबूत टुकड़ा

डालकर पानी आधा होने तक उबालें। ठंडा करके छान लें। यह जल गठिया, जोड़ों का दर्द, मधुमेह, दमा, क्षयरोग (टी.बी.), पुरानी सर्दी, बुखार, हिचकी, अजीर्ण, कृमि, दस्त, आमदोष, बहुमुत्रता तथा कफजन्य रोगों में खूब लाभदायी है।

२) अजवायन-जल : एक लीटर पानी में एक चम्मच (करीब ८.५ ग्राम) अजवायन डालकर उबालें। पानी आधा रह जाय तो ठंडा करके छान लें। उष्ण प्रकृति का यह जल हृदय-शूल, गैस, कृमि, हिचकी, अरुचि, मंदाग्नि,पीठ व कमर का दर्द, अजीर्ण, दस्त, सर्दी व बहुमुत्रता में लाभदायी है।

३) जीरा-जल : एक लीटर पानी में एक से डेढ़ चम्मच जीरा डालकर उबालें। पौना लीटर पानी बचने पर ठंडा कर छान लें। शीतल गुणवाला यह जल गर्भवती एवं प्रसूता स्त्रियों के लिए तथा रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर, अनियमित मासिकस्त्राव, गर्भाशय की सूजन, गर्मी के कारण बार-बार होनेवाला गर्भपात व अल्पमुत्रता में आशातीत लाभदायी है।

खास बातें :

१) भूखे पेट, भोजन की शुरुवात व अंत में, धुप से आकर, शौच, व्यायाम या अधिक परिश्रम व फल खाने के तुरंत बाद पानी पीना निषिद्ध है।

२) अत्यम्बूपानान्न विपच्यतेन्नम अर्थात बहुत अधिक या एक साथ पानी पीने से पाचन बिगड़ता है। इसलिए मुहुर्मुहुर्वारी पिबेदभूरी। बार-बार थोडा-थोडा धीरे धीरे पानी पीना चाहिए। (भावप्रकाश, पूर्व खंडः५.१५७)

३) लेटकर, खड़े होकर पानी पीना तथा पानी पीकर तुरंत दौड़ना या परिश्रम करना हानिकारक है। बैठकर धीरे-धीरे चुस्की लेते हुए बायाँ स्वर सक्रिय हो तब पानी पीना चाहिए।

४) प्लास्टिक की बोतल में रखा हुआ, फ्रिज का या बर्फ मिलाया हुआ पानी अति हानिकारक है।

५) सामान्यतः १ व्यक्ति के लिए एक दिन में तीन से पाँच लीटर पानी पर्याप्त है। देश-ऋतू-प्रकृति आदि के अनुसार यह मात्रा बदलती है।

गर्मी के मौसम में मिट्टी के पात्र का रखा जल,बरसात के मौसम में ताम्रपत्र का रखा जल व सर्दी के मौसम में स्वर्ण पात्र का रखा जल पिना मौसम व स्वास्थ्य के अनुकूल है स्वर्ण व ताम्रपत्र की उपलब्धता न होने की परिस्थिति में जलसंग्रह पात्र में इनके अंश युक्त वस्तु को डाल कर रखा जा सकता है

स्वर्ण पात्र का रखा जल मानसिक (अल्पबुद्धि, पागलपन) व कफ के सभी रोगों का काल है

1. चार उपवेद के नाम - आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्ववेद और स्थापत्य वेद हैं।

1. चार उपवेद के नाम - आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्ववेद और स्थापत्य वेद हैं।

2. धर्म के चार पाद (चरण) - विद्या, दान, तप और सत्य है।

3. ब्रह्माजी की पूजा मुख्यतः पुष्कर क्षेत्र तथा ब्रह्मावर्त क्षेत्र (बिठुर) में देखी जाती है।

4. जो मानव ऋषि, छन्द, देवता और विनियोग को जाने बिना वेद का अध्ययन, अध्यापन, जप, हवन, यजन, याजन आदि करते हैं; उनका वेदाध्ययन निष्फल तथा दोषयुक्त होता है।

5. ऋषि वेद मन्त्रों के द्रष्टा और स्मर्ता हैं। इसीलिए वेदों को अपौरुषेय कहा गया है।

6. ऋषियों के सात वर्ग होते हैं - ब्रह्मर्षि, देवर्षि, महर्षि, परमर्षि, काण्डर्षि, श्रुतर्षि तथा राजर्षि।

7. ब्रह्मर्षि वशिष्ठ और अरुन्धती के विवाह अवसर पर ब्रह्मा, विष्णु आदि के द्वारा स्नान कराते समय जो जलधाराएँ गिरी थीं, वे ही गोमती, सरयू, शिप्रा, महानदी आदि सात नदियों के रूप में परिवर्तित हो गईं।

8. अरुन्धती ऋषि मेधातिथि की मानस कन्या थीं। वे यज्ञ से उत्पन्न हुईं थीं।

9. अरुन्धती जी को सावित्री और बहुला ने शिक्षा प्रदान की थी।

10. अरुन्धती जी का 12 वर्ष की उम्र में मानस पर्वत पर ब्रह्मर्षि वशिष्ठ जी के साथ विवाह हुआ था।

सर्दियों में फटे होंठ बिगाड़ रहे हैं आपकी खूबसूरती, ट्राई करें ये नुस्खा मिलेंगे सॉफ्ट लिप्स

सर्दियों में चेहरे पर डार्कनेस और होंठ फटने लगते हैं। सर्दियों के मौसम में होंठ भी ज्यादा फटते हैं, इसलिए इनकी केयर के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में हम सभी को एक्स्ट्रा स्किन केयर की जरूरत होती है। क्योंकि यह मौसम हमारी त्वचा को भी नुकसान पहुंचाता है। सर्दियों में चलने वाली ठंडी हवा हमारी स्किन की नमी को सोख लेती है। जिससे स्किन ड्राई और डल हो जाती है। सर्दियों में चेहरे पर डार्कनेस और होंठ फटने लगते हैं। सर्दियों के मौसम में होंठ भी ज्यादा फटते हैं, इसलिए इनकी केयर के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे ट्राई करने में सिर्फ 5 मिनट का समय लगेगा। इन नुस्खों को आजमाने से आपके होंठ कम फटेंगे और यह सॉफ्ट और पिंक बने रहेंगे।

गुलाब की पंखुड़ियां और दूध

गुलाब की पंखुड़ियों के इस्तेमाल से स्किन सॉफ्ट होती है। वहीं दूध स्किन में नमी पैदा करता है। ऐसे में आप इन दोनों चीजों का इस्तेमाल अपने लिप्स के लिए कर सकते हैं। इसमें किसी तरह का कोई केमिकल मौजूद नहीं होता है।

लिप्स पर लगाएं गुलाब की पंखुड़ियां और दूध

गुलाब की पंखुड़ियों को अलग कर लें। फिर इन पंखुड़ियों को पानी से साफ कर लें और 2 चम्मच दूध के साथ पीस लें।

अब इसको अपने लिप्स पर लगाएं और फिर करीब 5 मिनट बाद साफ कर लें।

इसको अप्लाई करने के कुछ समय बाद ही आपके होंठ सॉफ्ट और गुलाबी नजर आने लगेंगे।

एलोवेरा जेल और शहद

बता दें कि एलोवेरा जेल त्वचा के लिए अच्छा होता है। इसलिए आपको एलोवेरा जेल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। एलोवेरो जेल के साथ आप शहद का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे लिप्स पर नमी बनी रहेगी।

ऐसे इस्तेमाल करें एलोवेरा जेल और शहद

सबसे पहले एक कटोरी में फ्रेश एलोवेरा जेल निकालना है।

अब इसमें 1 चम्मच शहद डालें और दोनों को अच्छे से मिक्स करें।

फिर इसको लिप्स पर लगाएं।

लिप्स पर यह लगाने के 5 मिनट बाद होंठ साफ कर लें।

इसको लगाने से होंठ पर सॉफ्टनेस आ जाएगी।

इस नुस्खे को ट्राई करने से आपके लिप्स सॉफ्ट हो जाएंगे। इससे आपको मार्केट से लिप बाम लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आपके होंठ सर्दी से बचे रहेंगे। अगर आपको कोई समस्या है, तो पैच टेस्ट जरूर करें। लेकिन इसे ट्राई करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना न भूलें।

दुनिया का पहला अंडर-डिस्प्ले कैमरे वाला लैपटॉप हुआ लॉन्च, जानें फीचर्स और कीमत

कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2025 में दुनिया का पहला डिस्प्ले के अंदर कैमरे वाला लैपटॉप लॉन्च हो गया है। चीनी ब्रांड Lenovo ने Yoga सीरीज के इस लैपटॉप को AI फीचर के साथ पेश किया गया है। Lenovo Yoga slim 9i के नाम से लॉन्च हुइ इस लैपटॉप के डिस्प्ले के अंदर कैमरा फिट किया गया है।

CES यानी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2025 में दुनिया का पहला डिस्प्ले के अंदर कैमरे वाला लैपटॉप लॉन्च हो गया है। चीनी ब्रांड Lenovo ने Yoga सीरीज के इस लैपटॉप को AI फीचर के साथ पेश किया गया है। साथ ही Lenovo Yoga slim 9i के नाम से लॉन्च हुइ इस लैपटॉप के डिस्प्ले के अंदर कैमरा फिट किया गया है। जो इसके स्क्रीन टू बॉडी रेशियो को 98 प्रतिशत तक कर देता है। अब तक केवल स्मार्टफोन ही अंडर-डिस्प्ले कैमरा के साथ लॉन्च हो रहे थे। लेनोवो ने लैपटॉप सेगमेंट में इसे लॉन्च करके दुनियाभर के यूजर्स को हैरान कर दिया है।

वहीं lenovo yoga slim 9i की कीमत 1849 डॉलर यानी लगभग 1.59 लाख रुपये से शुरू होती है। ये लैपटॉप फिलहाल अमेरिकी बाजार में लॉन्च किया गया है। फरवरी से इसे खरीद सकते हैं। इसमें एक ही कलर ऑप्शन टाइडल टील में उपलब्ध है। कंपनी ने इसकी ग्लोबल लॉन्चिंग फिलहाल कंफर्म नहीं की है। योगा सीरीज के इस लैपटॉप में यूनिक हिडन कैमरा के साथ-साथ AI फीचर भी दिया गया है। साथ ही इसमें डेडिकेटेड NPU यानी न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट भी मिलेगा।

lenovo yoga slim 9i स्पेसिफिकेशन

इस प्रीमियम लैपटॉप में 14 इंच का OLED डिस्प्ले दिया गया है। ये लैपटॉप 4K रेजलूशन को सपोर्ट करता है। कंपनी ने इसमें Puresight Pro डिस्प्ले टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। इस लैपटॉप की स्क्रीन 120Hz रिफ्रेश रेट फीचर को सपोर्ट करती है। साथ ही, इसमें 750 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस फीचर दिया गया है।

लेनोवो के इस प्रीमियम लैपटॉप के डिस्प्ले के अंदर 32 MP का वेब कैमरा फिट किया गया है। ये Intel Core Ultra 7 258V प्रोसेसर पर काम करता है। इसमें 32GB LPDDR5X डुअल चैनल रैम और 1TB SSD स्टोरेज दिया गया है। इस लैपटॉप में क्वाड स्पीकर सेटअप मिलेगा, जिसके साथ डॉल्बी एटमस मिलेगा। कनेक्टिविटी के लिए इस लैपटॉप में दो थंडरबोल्ट 4 पोर्ट्स और wiFi7 मिलते हैं।

पुत्रदा एकादशी व्रत

साल 2025 में आने वाली सबसे पहली एकादशी है पुत्रदा एकादशी। वैसे तो सभी एकादशी का हिंदू धर्म में महत्व है। लेकिन, पुत्रदा एकादशी का विशेष महत्व हिंदू धर्म में बताया गया है। पुत्रदा एकादशी का व्रत खासतौर पर संतान सुख की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। साथ ही व्यक्ति इस व्रत को करने से घर परिवार में भी सुख शांति बनी रहती है।

कब है पुत्रदा एकादशी? पंचांग के अनुसार, पुत्रदा एकादशी तिथि का आरंभ 9 जनवरी को दोपहर में 12 बजकर 23 मिनट पर होगा और 10 जनवरी को सुबह 10 बजकर 20 मिनट तक एकादशी तिथि रहेगी। शास्त्रों के अनुसार, उदय काल में एकादशी तिथि होने के कारण पुत्रदा एकादशी का व्रत 10 जनवरी को रखा जाएगा।

पुत्रदा एकादशी का महत्व पुत्रदा एकादशी का व्रत संतान प्राप्ति के लिए रखा जाता है। इसी के साथ मान्यता यह भी है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति के घर में सुख शांति बनी रहती है। साथ ही इस व्रत को करने से भगवान विष्णु के साथ साथ माता लक्ष्मी की भी विशेष कृपा व्यक्ति को मिलती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एक राजा सुकंतुमान के कोई भी संतान नहीं थी। किसी भी संतान होने के कारण वह बहुत ही दुखी रहते थे। राजा को हमेशा यही चिंता सताती थी कि उनके बाद उनका वंश कौन चलाएगा। यही सोच सोच कर वह बहुत परेशान रहते थे। फिर एक बार एक ऋषि ने उन्हें पुत्रदा एकादशी का व्रत करने की सलाह दी। जिसके बाद राजा और रानी दोनों ने ही पूरी श्रद्धा के साथ यह व्रत किया। व्रत के प्रभाव और भगवान विष्णु की कृपा से उन्हें संतान की प्राप्ति हुई। तभी से संतान सुख की कामना रखने वाले लोग इस व्रत को करने लगे।

पुत्रदा एकादशी पूजा का समय पौष पुत्रदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए सही समय 10 जनवरी 12:13 मिनट से लेकर दोपहर 12:55 तक रहेगा। इस शुभ मुहूर्त में पूजा करना बेहद फलदायी होगा।

पुत्रदा एकादशी की कथा पुत्रदा एकादशी से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा भी है। जो इस व्रत के महत्व को और बढ़ाती है. प्राचीन समय में एक राजा, जिनका नाम सुकेतुमान था, संतान के अभाव में दुखी रहते थे। उन्हें यह चिंता सता रही थी कि उनकी मृत्यु के बाद उनके पूर्वजों का उद्धार कौन करेगा। और उनका मोक्ष कैसे होगा।राजा की इस चिंता को देखकर ऋषियों ने उन्हें पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत रखने की सलाह दी। व्रत करने के बाद राजा और रानी को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई और इस घटना के बाद से ही यह व्रत हर साल रखा जाने लगा।

दिल्ली की चुनावी राजनीति में है जाटों का दबदबा, इन 13 विधानसभा सीटों पर है मजबूत पकड़

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में जाटों का विशेष महत्व है। यहां की सीमा हरियाणा के साथ लगती है। सीमावर्ती 225 गांवों में जाटों की अच्छी संख्या है। इस कारण कई विधानसभा क्षेत्रों में ये निर्णायक भूमिका में हैं। यहां के कुल मतदाताओं में इनकी हिस्सेदारी तो मात्र सात से आठ प्रतिशत है, लेकिन, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में इनकी संख्या अधिक होने से राजनीतिक अहमियत बढ़ जाती है।

यही कारण है कि सभी पार्टियां इन्हें अपने साथ जोड़ने के प्रयास में लगी हुई हैं। भाजपा और आप में इन्हें अपनी ओर खींचने की होड़ लग गई है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इन्हें केंद्र सरकार की ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग कर भाजपा को घेरने का प्रयास किया है। भाजपा ने भी पलटवार कर पूछा है कि इसका प्रस्ताव आप सरकार ने केंद्र को क्यों नहीं भेजा?

कई इलाकों में 20-28 प्रतिशत तक जाट

दिल्ली के मुंडका, नरेला, बवाना, नांगलोई जाट, नजफगढ़, बिजवासन विधानसभा क्षेत्र में 20 से 28 प्रतिशत तक जाट हैं। मटियाला, रिठाला, उत्तम नगर, विकासपुरी, महरौली, किराड़ी, छतरपुर विधानसभा में भी निर्णायक स्थिति में हैं। माना जाता है कि जाट संगठित

होकर मतदान करते हैं जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित होता है।

आप ने कैलाश गहलोत को जाट नेता के तौर पर आगे बढ़ाया

एक समय था जब इन क्षेत्रों में भाजपा की अच्छी पकड़ थी लेकिन, पिछले दो विधानसभा चुनावों में इन क्षेत्रों में आप ने जीत प्राप्त की थी। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में आप के आठ और 2020 में नौ जाट विधायक जीते थे। पार्टी ने कैलाश गहलोत को जाट नेता के रूप में आगे कर मंत्री बनाया, लेकिन अब वह पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गए हैं।

हरियाणा के जाट बहुल क्षेत्रों में बीजेपी की जीत

दो विधानसभा चुनावों में जाट बहुल विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का प्रदर्शन तो सही नहीं रहा लेकिन लोकसभा चुनावों में पार्टी ने इन सीटों पर अच्छी बढ़त बनाई थी। नगर निगम चुनाव में भी जाट बहुल वार्डों ने भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक रहा था। कुछ माह पूर्व पड़ोसी राज्य हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में भी जाट क्षेत्रों में भाजपा ने जीत प्राप्त की है।

इससे भाजपा जाटों के दबदबे वाले क्षेत्रों को लेकर आशांवित है। पार्टी इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहली रैली भी उत्तर पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में हुई है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने दिल्ली देहात के लोगों से की मुलाकात

जाट व अन्य जातियों को अपने साथ जोड़ने के लिए भाजपा दिल्ली देहात व किसानों के मुद्दे को जोरदार ढंग से उठा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री पिछले एक पखवाड़े में दिल्ली देहात के लोगों से दो बार मुलाकात कर चुके हैं। दिल्ली देहात की समस्याओं और किसानों की परेशानी के लिए वह सीधे तौर पर आप सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

भाजपा ने प्रवेश वर्मा को उतारकर जाटों को लुभाने की कोशिश

उन्होंने आरोप लगाया है कि आप सरकार दिल्ली के किसानों को केंद्र की योजनाओं से वंचित रख रही है। मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर दिल्ली के किसानों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ देने की मांग कर चुके हैं। भाजपा ने केजरीवाल के विरुद्ध पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को टिकट देकर भी जाटों को लुभाने का प्रयास किया है।

इसे देखते हुए केजरीवाल ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर दिल्ली के जाटों से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है। उल्लेखनीय है कि जाटों को दिल्ली सरकार में आरक्षण मिलता है लेकिन केंद्र सरकार में इस लाभ से वंचित हैं। इसे केजरीवाल मुद्दा बनाने का प्रयास कर जाटों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

जाट समाज के ओबीसी आरक्षण पर आप और भाजपा बेनक़ाब चोकाने वाला बड़ा खुलासा - देवेंद्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि केंद्र की कांग्रेस सरकार ने जाट समाज को केंद्रीय सूची में दिल्ली सहित देश के नो राज्यों में जाट आरक्षण 4 मार्च 2014 को प्रदान कर उसकी अधिसूचना क्रमांक 20012/29/2009-BC जारी कर दी थी ।

दिल्ली के अलावा बिहार गुजरात हरियाणा हिमाचल प्रदेश मध्य प्रदेश राजस्थान उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में जारी की थी।

मगर सुप्रीम कोर्ट ने उसे 17/3/ 2015 के फैंसले में ख़ारिज कर दिया क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार ने उसकी पैरवी सुप्रीम कोर्ट में नहीं की और न ही दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उस वक्त मुखरता से उस वक्त आवाज उठाई। अब जब दिल्ली में चुनाव हैं तो केजरीवाल और मोदी सरकार जाट समाज के भावनाओं से खेल रहे हैं जो बेहद शर्मनाक हैं ।

कांग्रेस की 25 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा 'जीवन रक्षा योजना' दिल्ली की 100 फीसदी आबादी को कवर करेगी : डा0 नरेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 नरेंद्र नाथ ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस की 25 लाख रुपये स्वास्थ्य बीमा की "जीवन रक्षा योजना" सत्ता में आने के बाद स्वास्थ्य का अधिकार के तहत दिल्ली के 100 प्रतिशत निवासियों को मुफ्त इलाज की सुविधा देगी, जो अरविन्द केजरीवाल के खोखले वादों की तरह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली की सत्ता में आते ही अपनी गारंटियों को जनता के लिए लागू करेगी, जबकि 11 वर्षों के राज में केजरीवाल ने जनता से किए 70 वादों में से एक भी पूरा नही किया।. उन्होंने कहा कि केजरीवाल के तथाकथित मोहल्ला क्लिनिक दवाओं, डॉक्टरों, कर्मचारियों और उपकरणों के बिना चल रहे है वहीं सरकारी अस्पतालों तक में डाक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और दवाई सहित ऑपरेशन थियेटर और टेस्ट की सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को स्वास्थ्य मॉडल पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है।

संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेशनल कॉआर्डिनेट अभय दुबे और मीडिया समन्वयक रश्मी सिंह मिगलानी, असमा तसलीम, डॉ अरुण अग्रवाल और ज्योति कुमार सिंह उपस्थित थे।

प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. नरेंद्र नाथ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 48,000 अस्पताल बिस्तर उपलब्ध कराए थे, 16 मेडिकल कॉलेज, सात बड़े सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल स्थापित किए थे और शहर में 95 प्रमुख अस्पताल थे, लेकिन केजरीवाल सरकार ने शीला दीक्षित सरकार द्वारा निर्मित स्वास्थ्य क्षेत्र को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों को आईसीयू? मेडिकल ऑक्सीजन, बेड, दवा, एम्बुलेंस के वेंटिलेटर की कमी से जूझना पड़ा। भीषण महामारी से समय पर पर्याप्त मेडिकल सुविधाएं न मिलने से राजधानी में रिकॉर्ड मौतें हुई, जबकि केजरीवाल अपने शीश महल में रहे।

डॉ. नरेंद्र नाथ ने कहा कि राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 25 लाख रुपये की स्वास्थ्य देखभाल के लिए चिरंजीवी योजना लागू करने वाली पहली सरकार थी, जिससे राज्य की पूरी आबादी को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिला। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तरह दिल्ली में जीवन रक्षा योजना के तहत जन्म से मृत्यु तक दिल्ली के सभी निवासियों के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों को 25 लाख तक बीमा के तहत कवर करेगी।

"दिल्ली पहुंचे आकाश कुमार मित्तल, कहा— सस्पेंस थ्रिलर है 'मनचलों की मस्ती"

सुषमा रानी

नई दिल्ली। अभिनेता आकाश कुमार मित्तल शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। यहां वह अपनी मूवी 'मनचलों की मस्ती' के प्रमोशन के लिए आए थे। आकाश ने कहा कि मूवी का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ है।

उन्होंने बताया कि सस्पेंस थ्रिलर है, जो आखिरी तक दर्शकों को सीट से उठने नहीं देगी। इसमें सस्पेंस और ड्रामे के कॉकटेल मिलेगा। फिल्म में हर मोड़ पर एक रोमांच देखने को मिलेगा। तेजी से बदलते दृश्यों, एक भूतिया बैकग्राउंड स्कोर और रोंगटे खड़े कर देने वाले दृश्यों से भरपूर 'मनचलों की मस्ती' रोमांच से भरी कहानी है। हाल ही में 'मनचलों की मस्ती' का ट्रेलर लॉन्च किया गया था। दिनेश शाहदेव ने इसका निर्देशन किया था, जबकि इसके निर्माता विजय कुमार अग्रवाल हैं। संदीप स्वरांश व शाहदेव ने इसकी कहानी लिखी है।

झारखंड के रांची के रहने वाले आकाश ने इससे पहले 'सेटलमेंट' में भी अभिनय किया था। उन्हों ने कहा कि इस मूवी में काम करना काफी चैलजिंग रहा। उनके सहायक कलाकारों में करुणा सिंह, कल्पना, साक्षी श्रेया भी शामिल हैं।

सुंदर सिनेमैटोग्राफी और मनोरंजक कहानी दर्शकों को पूरे समय बांधे रखने का दम भरती है। आकाश ने कहा कि वे एक ऐसी फिल्म बनाना चाहते थे, जो दर्शकों को अंत तक केवल अनुमान लगाने पर मजबूर करे। यही वजह रही कि पूरी टीम ने इस फिल्म को बनाने में दिन—रात एक कर दिया है। फिल्म 10 जनवरी 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को मनोरमा पिक्चर्स एंड एंटरटेनमेंट और विजय एंड टू स्टार्स एंटरटेनमेंट मिलकर लाए हैं। इस फिल्म का पूरे देश में वितरण का अधिकारी फर्स्ट फिल्म स्टूडियो एलएलपी के पास है।

19 साल के सूरज के सीने में धड़केगा 26 साल के युवक का दिल, ग्रीन कॉरिडोर से RML अस्पताल पहुंचा हार्ट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के एटा में रहने वाले 19 साल के सूरज के सीने में अब 26 साल के सरजीत सिंह का दिल धड़केगा। बृहस्पतिवार को उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में दूसरी जिंदगी मिली। करीब 12 घंटे चली सर्जरी के बाद सूरज का सफल हृदय प्रत्यारोपण हुआ। सूरज लंबे समय से दिल के दाहिने हिस्से में कार्डियोमायोपैथी से परेशान था। इस रोग में हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं। दिल रक्त को ठीक से पंप नहीं कर पाता। इस रोग के कारण सूरज को सांस लेने में दिक्कत, सीने में दर्द, बेहोशी, घबराहट सहित दूसरी समस्याएं हो रही थी। दवाएं भी असर नहीं कर रही थी। जिंदा रहने के लिए हृदय प्रत्यारोपण के अलावा उसके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) से ब्लड मैच के साथ हृदय की उपलब्धता मिलते ही डॉक्टरों ने सर्जरी का फैसला लिया। सर्जरी के लिए कार्डियो थोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग के प्रमुख डॉ. विजय ग्रोवर के नेतृत्व में प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह झाझरिया, डॉ. पलाश अय्यर के अलावा कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. रंजीत नाथ, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पुनीत अग्रवाल और कार्डियक एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ जसविंदर कोहली व अन्य सदस्यों की टीम बनाई गई। बुधवार शाम करीब पांच बजे गंगाराम अस्पताल से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दिल लाया गया। शाम करीब साढ़े पांच बजे सर्जरी शुरू हुई और सुबह करीब पांच बजे सर्जरी खत्म कर मरीज को आईसीयू में शिफ्ट किया गया।

केजरीवाल ने अन्ना हजारे को धोखा देकर सत्ता हासिल की: सांसद भोला सिंह

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज नजफगढ़ जिला अनुसूचित जाति मोर्चा के दलित सम्मान समारोह मैं बुलंदशहर के भाजपा सांसद भोला सिंह ने बोलते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार झुठी भ्रष्टाचार की दुहाई देते हुए सत्ता में आई है उन्होंने अपनी राजनीतिक शुरुआत एक ऐसे महान व्यक्ति जो सच्चाई की मूरत हैं और गांधीवादी नेता हैं श्री अन्ना हजारे उनके आंदोलन का फायदा उठाते हुए केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को गुमराह किया और कहा कि वह भ्रष्टाचार मिटाएंगे परंतु पूरे 10 साल में उन्होंने भ्रष्टाचार मिटाने के बजाय भ्रष्टाचार फैलाने का काम किया और हमारे दलित समाज को अपना चुनाव चिन्ह झाड़ू दिखाकर कहता रहा की मैं दलित का हमदर्द हूं परंतु आज तक दलितों के एक भी कार्य उन्होंने नहीं किया सफाई कर्मचारी आज तक कोई भर्ती नहीं किया पुराने जितने भी सफाई कर्मचारी हैं उनको अभी तक पक्का नहीं किया गया और रिटायर हुए सफाई कर्मचारी आज भी अपनी पेंशन के लिए डर-डर की ठोकरे खा रहे हैं नगर निगम अधिकारी कहते हैं कि हमारे पास पैसा नहीं है दिल्ली सरकार पैसा नहीं देती है तो आखिर केंद्र से मिला हुआ प्रत्येक साल का बजट कहां गया जो आज सफाई कर्मचारियों को पैसा व पेंशन देने के लिए आम आदमी सरकार के पास कुछ भी नहीं है हमारा अनुसूचित जाति समाज दलित समाज पूरी तरह आम आदमी पार्टी ने गुमराह करते हुए उसे ठगा है आज दिल्ली के तमाम दलित समाज से मैं अपील करना चाहता हूं कि केजरीवाल सरकार को अपने वोट की चोट देते हुए इसे सत्ता से बाहर निकाल फेक*

इस केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की जनता को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है दिल्ली में कोई भी विकास कार्य नहीं हुए हैं सब झूठ का पुलिंदा बांधकर जनता के सामने पेश कर रहे हैं।

संसद भोला सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया केजरीवाल कहते कुछ है और करते कुछ हैं पंजाब से आई महिलाओं ने बताया कि केजरीवाल सरकार ने ₹1000 प्रति माह देने का वादा किया था चुनाव में जो अभी तक नहीं दिया जा रहा है तो ₹2100 दिल्ली की महिलाओं को हमारी बहनों को कहां से देंगे यह सिर्फ झूठ बोलते हैं वोटो की राजनीति करने के लिए केजरीवाल सरकार सत्ता की भूखी सरकार है इनकी बातों पर भरोसा आप दिल्ली की जनता नहीं करेगी।

संसद भोला सिंह ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली को पूरी तरह नर्क बना दिया है जगह-जगह खुले गड्ढे हैं सड़के तालाब बनी हुई है दिल्ली की जनता को स्वस्थ सांस लेने के लिए हवा नहीं है दिल्ली प्रदूषण रहित हो गई है पीने का स्वच्छ पानी नहीं है बिजली महंगी हो गई है स्वास्थ्य सुविधाएं दिल्ली सरकार की चरमरा चुकी है।

*इस मौके पर प्रवासी संयोजक शैलेंद्र चौहान की गरिमा पूर्ण उपस्थिति रही एवं दलित सम्मान सम्मेलन के आयोजक अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राहुल रुखड़ तमाम जिले के महामंत्री * संयोजक मंडल अध्यक्ष आदि गणमान्य व्यक्ति की उपस्थित थे*

26 जनवरी समारोह के दौरान पन्नू करवा सकता है आतंकी हमला, सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू 26 जनवरी समारोह के दौरान या तो आतंकी हमला कर सकता है या फिर देश विरोधी पोस्टर व दिवारों पर नारे लिखने जैसी हरकतें करवा सकता है। हालांकि यूपी पुलिस की कड़ी कार्रवाई को देखते हुए वह कोई रिश्क नहीं लेना चहाता।

अलर्ट मोड पर दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा की अध्यक्ष में दिल्ली पुलिस मुख्यालय में बुधवार को हुई इंटरस्टेट कोर्डिनेशन बैठक में खुफिया विभाग ने ये इनपुट दिए हैं। खुफिया विभाग के इनपुट के बाद व विधानसभा चुनावों को देखते हुए दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड में आ चुकी है।

सुरक्षा बढ़ाने के दिए आदेश

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में बैठने वाले एक अधिकारी ने बताया कि हालांकि आतंकी संगठनों की ओर से आतंकी हमले के इनपुट नहीं हैं। बैठक में जम्मू कश्मीर व अन्य यूनिटों ने किसी तरह के आतंकी हमले के इनपुट नहीं दिए हैं। खुफिया विभाग ने कहा है कि खालिस्तानी आतंकी पन्नू आतंकी शरारत कर सकता है। इन इनपुट के बाद दिल्ली पुलिस ने बस अड्डे, रेलवे स्टेशन, मेट्रो व ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा बढ़ाने के आदेश दिए गए हैं।

मेट्रो में विशेष सुरक्षा

इस पुलिस अधिकारी ने बताया कि इनपुट मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने कड़े कदम उठाने और संदिग्ध को पकड़ने के लिए किराएदारों के वेरीफिकेशन के आदेश दिए हैं। साथ ही पुरानी गाड़ी के डीलर व होटल की जांच करने के आदेश दिए गए हैं। मेट्रो में विशेष रूप से सुरक्षा बढ़ाने के लिए कहा गया है।

दस्तक व रोटरी क्लब द्वारा बच्चों को स्टेशनरी व स्वेटर का वितरण किया गया

सुषमा रानी

नई दिल्ली : सर्दी के इस मौसम में जहां लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए दूसरों का हक खा जाते हैं। वहीं कुछ लोग अच्छा भी कर जाते हैं इसी कड़ी में रोटरी क्लब मयूर विहार ने बांटे स्वेटर दस्तक (डॉ. अम्बेडकर सोसायटी फॉर थाट्स एक्शन्स एण्ड कंसियसनेस) में दसवीं कक्षा की निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहीं 15 छात्राओं को रोटरी क्लब, दिल्ली मयूर विहार ने स्वेटर बांटे तथा दस्तक ने पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जिसे पाकर के छात्राओं के चेहरे पर खुशी की झलक थी। उस खुशी की बात ही अलग थी। समाज में लोगों को इस तरह के सामाजिक कार्य समय-समय पर करते रहना चाहिए।

इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष अवधेश कुमार, एन. के. भार्गव, शशि गुप्ता, राजीव गुप्ता, विजय कुमार, के. जी. नाथन, एवं उमेश शर्मा उपस्थित थे।

दस्तक के अध्यक्ष डॉ. एन. के. संत, सचिव राजकुमार, अध्यापक रूपा कुमारी, अनिका, अभिषेक उपस्थित थे। डॉ संत ने रोटरी क्लब के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस भयंकर सर्दी में स्वेटर से छात्राओं को राहत मिलेगी और स्टेशनरी परीक्षा की तैयारी में सहायक होंगे।

इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग और एग्री-टेक 2025: खाद्य उद्योग में वैश्विक स्तर पर भारतीय नेतृत्व की झलक

सुषमा रानी

नई दिल्ली : भारत के खाद्य और पेय (F&B) उद्योग के सबसे बड़े प्रदर्शनों में से एक, इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग और इंडसफूड एग्री-टेक 2025, आज इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (IICC – यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में उद्घाटित हुआ, जिसने भारत को वैश्विक खाद्य क्षेत्र के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया है। यह आयोजन ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (TPCI) और इंडिया एक्सपो सेंटर लिमिटेड (IEML) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है, जो एक मजबूत साझेदारी को दर्शाता है और इससे खाद्य उद्यमी विशेषज्ञता, नवाचार और वैश्विक पहुंच का लाभ उठा रहे हैं।

IEML के अध्यक्ष, डॉ. राकेश कुमार ने इस कार्यक्रम को वैश्विक उत्कृष्टता और सहयोग का प्रतीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके रणनीतिक दृष्टिकोण और नेतृत्व ने IEML को ग्रेटर नोएडा से बाहर निकलकर विस्तार करने में सक्षम बनाया है, और IICC-यशोभूमि जैसे प्रमुख स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जो IEML की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे नए दर्शकों तक पहुंचने और भारत भर में अपने प्रभाव को बढ़ाने में मदद मिल रही है।

अपने संबोधन में डॉ. राकेश कुमार ने IEML और TPCI के द्वारा किए गए व्यापक प्रयासों को रेखांकित किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में जिला उद्योग केंद्रों (DICs) के साथ सहयोग और देशभर में किए गए रोड शो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस शो के लिए ज़मीनी स्तर पर प्रयास के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदारों को जोड़ने के प्रयास किए गए, और साथ ही अफ्रीका, अमेरिका, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे क्षेत्रों से मेज़बान दर्शकों का स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि हम इंडसफूड मैन्युफैक्चरिंग और एग्री-टेक को नवाचार, साझेदारी और तकनीकी विकास के लिए एक वैश्विक हब बनाना चाहते हैं।

माननीय वाणिज्य और उद्योग और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, जितिन प्रसाद, ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए इसे खाद्य प्रसंस्करण मूल्य श्रृंखला में भारत की

क्षमता का एक अद्वितीय मंच बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार के प्रयासों ने आधुनिक बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक तकनीक और प्रगतिशील कृषि प्रथाओं के संयोजन से एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है। उन्होंने कहा, "भारतीय खाद्य उद्योग कृषि और उद्योग के बीच एक पुल है, जो स्थिरता और नवाचार के लिए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।"

इस साल के संस्करण में 300 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया है और यह 27,000 वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में फैला हुआ है। श्रीलंका, बांग्लादेश, मिस्र और अमेरिका जैसे देशों से डेलिगेशन और 500+ अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी, सतत पैकेजिंग और नई सामग्री को प्रदर्शित करता है। यह आयोजन भारत को खाद्य और पेय उद्योग में एक वैश्विक नेता के रूप में प्रस्तुत करता है।

TPCI के अध्यक्ष, मोहित सिंघला ने वाणिज्य मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और पशुपालन विभाग से मिल रहे मजबूत समर्थन की सराहना की, जिसने इस कार्यक्रम को अंतर्राष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाया। TPCI के एडीजी, विजय कुमार गौबा, ने प्रदर्शकों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया, और उद्योग के विकास में सहयोग की महत्ता पर बल दिया।

TPCI और IEML के बीच साझेदारी लगातार फल-फूल रही है, जो भारत को F&B क्षेत्र में नवाचार और व्यापारिक अवसरों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर रही है। डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में IEML ने भारत के प्रदर्शनी उद्योग में उत्कृष्टता और विकास के लिए नए मानक स्थापित किए हैं।

गुरुग्राम में ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 4 लड़कियों सहित 11 लोग गिरफ्तार; बेच रहे थे सेक्शुअल हर्बल दवाइयां

गुरुग्राम पुलिस ने एक ऐसे कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है जो ऑनलाइन सेक्शुअल हर्बल दवाइयां बेचने के नाम पर लोगों से ठगी कर रहा था। डूंडाहेड़ा गांव स्थित एक कॉम्प्लेक्स में चल रहे इस ऑफिस से 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें 4 युवतियां भी शामिल हैं। आरोपित फेसबुक पेज पर विज्ञापन डालते थे और लोगों को नकली सामान भेजकर ठगते थे।

गुरुग्राम। ऑनलाइन सेक्शुअल हर्बल दवाइयां बेचने के नाम पर ठगी करने वाले एक और कॉल सेंटर का साइबर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। साइबर थाना पश्चिम पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को डूंडाहेडा गांव स्थित एक कॉम्प्लेक्स में चल रहे ऑफिस से चार युवतियों समेत 11 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है।

ऑर्डर करने पर भेजते थे नकली सामान

ये आरोपित फेसबुक पेज पर विज्ञापन डालते थे। जब लोग इन्हें फोन कर ऑर्डर देते थे तो ये पैसा लेकर ऑर्डर में नकली सामान भेज देते थे।

आरोपितों की पहचान मुंबई के मालबार हिल रोड निवासी अमनदीप, दिल्ली के महिपालपुर निवासी रणजीत, कापसहेड़ा निवासी राशिका, कुतुब विहार फेस दो निवासी ईशा, बिजवासन निवासी सोनाली, नजफगढ़ निवासी मेघा, बिहार के कटिहार निवासी मोहम्मद कासिम, उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती निवासी प्रत्यूष, प्रतापगढ़ निवासी सुशील, फतेहपुर निवासी बृजेश शर्मा, फिरोजाबाद निवासी अनूप के रूप में की गई।

दी-वैदिक आयुर्वेदिक के नाम बना रखा था पेज

आरोपितों के विरुद्ध साइबर थाने में धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया। पूछताछ में पता चला कि अमनदीप यहां डीएलएफ फेस तीन में रहता है। अमनदीप व रणजीत इस कॉल सेंटर के संचालक हैं।

अन्य आरोपितों को इन्होंने काम पर रखा हुआ था। इन्होंने स्व. डॉ. राजीव दीक्षित के नाम से हर्बल सेक्शुअल दवाइयां ऑनलाइन बेचने के लिए फेसबुक पर दी-वैदिक आयुर्वेदिक के नाम से पेज बनाया हुआ था। इस पर ये लोग दवाइयों का विज्ञापन डालते थे।

जब लोग विज्ञापन में दिए हुए नंबरों पर संपर्क करते थे या फेसबुक पेज पर डिटेल डालते थे तो ये उन लोगों से ऑर्डर लेकर पैसे यूपीआई के माध्यम से अलग-अलग बैंक खातों में डलवा लेते थे। इसके बाद या तो लोगों के पास नकली सामान भेजा जाता था, या फिर उनके फोन उठाने बंद कर दिए जाते थे।

10 महीनों से संचालित हो रहा था कॉल सेंटर

पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित पिछले 9 से 10 महीनों से यह कॉल सेंटर संचालित कर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। संचालक काम पर रखे गए अन्य आरोपितों को 18 से 20 हजार रुपये की सैलरी और ज्यादा सेल करने पर बोनस भी भी देते थे। कॉल सेंटर से दो लैपटॉप, चार मोबाइल फोन व दवाइयां बरामद की गईं।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर हो सकती है ठगी, रहें सावधान

- पार्ट टाइम जॉब के अवसरों की जांच करें और सुनिश्चित करें कि वे वास्तविक और विश्वसनीय हैं।
- अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे कि आपका नाम, पता, फोन नंबर और बैंक खाता विवरण किसी भी अज्ञात व्यक्ति या वेबसाइट के साथ साझा न करें।
- यदि कोई व्यक्ति या वेबसाइट आपको पार्ट टाइम जाब के अवसर के लिए पैसे की मांग करता है तो सावधान रहें और इसे साइबर ठगी का एक संकेत मानें।
- सोशल मीडिया पर पार्ट टाइम जॉब के अवसरों के बारे में सावधान रहें और अज्ञात व्यक्तियों या वेबसाइट्स के साथ जुड़ने से पहले सावधानी से विचार करें।

एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान

होटल की रेटिंग का दिया काम और कर ली 20 हजार की ठगी

उधर, एक अन्य मामले में साइबर ठगों ने गुरुग्राम निवासी एक महिला को पार्ट टाइम ऑनलाइन जाब देने का झांसा देकर उससे 20 हजार रुपये की ठगी की ली। ठगों ने महिला को ऑनलाइन होटलों को रेटिंग देने का काम दिया था। महिला ने साइबर थाना ईस्ट में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

सेक्टर 48 निवासी शिवानी सागर ने शिकायत में कहा कि चार जनवरी को लैंडलाइन नंबर पर फोन आया। फोन करने वाले ने पार्ट टाइम ऑनलाइन जॉब का झांसा दिया। कहा कि उन्हें ऑनलाइन होटलों की रेटिंग करने पर पैसे मिलेंगे। शुरुआत में महिला को दो सौ रुपये दिए गए।

टेलीग्राम ऐप पर एक ग्रुप से जोड़कर टास्क के नाम पर उनसे रुपये भी जमा कराए गए। इस पर उन्हें कुछ लाभ दिया गया। जब उन्होंने मोटी राशि जमा कर दी तो रुपये होल्ड कर दिए गए। उनसे 45 हजार रुपये और जमा करने के लिए कहा गया। इस पर उन्हें धोखाधड़ी का अहसास हुआ। साइबर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हापुड़ में पिकअप गाड़ी ने कार को मारी टक्कर, हादसे में सात घायल; राहत-बचाव का काम जारी

हापुड़ में एक भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने एक अल्टो कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि इस हादसे में कार सवार सात लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारणों को पता लगा रही है।

पिलखुवा (हापुड़)। शहर के कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिंदल नगर के फ्लाई ओवर पर एक अल्टो कार को लोहे के भारी सामान से भरी टाटा पिकअप ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। कार सवार हरियाणा राज्य के सोनीपत में एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

इसमें कार सवार तीन महिला, दो पुरुष व दो बच्चे घायल हो गए। इस हादसे के कारण राजमार्ग पर जाम भी लग गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जबकि, क्रेन द्वारा वाहनों को सड़क किनारे किया गया। जिसके बाद ही यातायात सुचारू हो पाया।

हरियाणा के सोनीपत के गढ़ी टूंडला के रहने वाले सतीश, पत्नी मधुबाला पुत्री 30 वर्षीय सोनिया, सोनिया की सास अंगूरी देवी, आठ वर्षीय कनिका, 10 वर्षीय कुनिका गाजियाबाद के शास्त्री नगर में रहते है। गुरुवार को वह कार में सवार होकर सोनीपत के लिए निकले थे।

पेरीफैरल एक्सप्रेसवे पर जाने के बजाय वह गलती से हापुड़ की ओर आ गए। जैसे ही उनकी कार जिंदल नगर के समीप फ्लाई ओवर पर पहुंची तो तेज गति से आ रही टाटा पिकअप ने पीछे.से कार में टक्कर मार दी। जिससे कार हवा में उछलते हुए कुछ दूरी पर जाकर पलट गई।

जिसमें सतीश, मधुबाला व अंगूरी घायल हो गए। वहीं दोनों बच्चों को मामूली चोट आई है। अचानक से हुए हादसे के कारण अन्य वाहनों के पहिए भी थम गए थे। इस घटना में पिकअप चालक दिल्ली का दिनेश भी घायल हो गया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में कोतवाली प्रभारी रघुराज सिंह का कहना है कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है, आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-NCR वालों के लिए गुड न्यूज, नोएडा एयरपोर्ट को लेकर आया बड़ा अपडेट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए 60 मीटर चौड़ी सड़क का विस्तार किया जा रहा है। यह सड़क ग्रेटर नोएडा से यमुना प्राधिकरण के सेक्टरों को जोड़ेगी और सीधे एयरपोर्ट से कनेक्ट होगी। इस सड़क के निर्माण से नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने में आसानी होगी।

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नोएडा, ग्रेटर नोएडा से कनेक्टिविटी के लिए साठ मीटर चौड़ी सड़क का विस्तार किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा से यमुना प्राधिकरण (Greater Noida Yamuna Authority) के सेक्टरों को जोड़ते हुए यह सड़क सीधे एयरपोर्ट से कनेक्ट होगी।

इस सड़क का करीब दो किमी हिस्सा बनना शेष है। इसके लिए जिला प्रशासन 76.3 हे. जमीन अधिगृहीत कर रहा है। अधिग्रहण के लिए सामाजिक समाघात निर्धारण सर्वे पूरा हो चुका है। प्रदेश सरकार ने इसके मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समूह गठित कर दिया है।

सड़क के ज्यादातर हिस्से का हो चुका निर्माण

साठ मीटर चौड़ी सड़क ग्रेटर नोएडा को यमुना प्राधिकरण के सेक्टरों से जोड़ती है। इस सड़क के अधिकतर हिस्से का निर्माण हो चुका है। लेकिन किसानों के साथ जमीनी विवाद के कारण जेवर तक सड़क का निर्माण नहीं हो पाया।

जमीन अधिग्रहण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सभी अड़चन दूर हो चुकी है। इस सड़क से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी के लिए शेष हिस्सा का निर्माण करने की योजना है।

जमीन अधिग्रहण के लिए यमुना प्राधिकरण की ओर से जिला प्रशासन को भेजे गए प्रस्ताव के तहत सामाजिक समाघात निर्धारण सर्वे का काम पूरा हो चुका है।

संतोष कुमार की अध्यक्षता में समिति गठित

दयानतपुर गांव की 76.3 हे. जमीन अधिगृहीत की जाएगी। इस जमीन पर साठ मीटर सड़क के अलावा नोएडा एयरपोर्ट से वीआईपी एक्सेस रोड भी बनाई जाएगी। इसकी लंबाई करीब साढ़े सात सौ मीटर है।

प्रदेश सरकार ने सामाजिक समाघात निर्धारण सर्वे के मूल्यांकन के लिए डा. संतोष कुमार की अध्यक्षता में समिति गठित कर दी है। समिति की स्वीकृति के बाद प्रदेश सरकार जमीन अधिग्रहण के लिए धारा 11 की कार्रवाई शुरू करने की अधिसूचना जारी करेगी।

यमुना प्राधिकरण ओएसडी शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होते ही सड़क का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

29 किमी लंबी है साठ मीटर चौड़ी सड़क

साठ मीटर चौड़ी सड़क की कुल लंबाई 29 किमी है। इसमें से करीब दो किमी सड़क का निर्माण होना शेष है। यीडा के सेक्टरों में पहुंचने की मुख्य सड़क है। इस सड़क के निर्माण से यमुना एक्सप्रेस वे के अलावा जेवर तक पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध हो जाएगा।

नोएडा में फ्लैट खरीदारों ने इस दिन बुलाई महापंचायत, CM योगी और राहुल गांधी से भी करेंगे मुलाकात

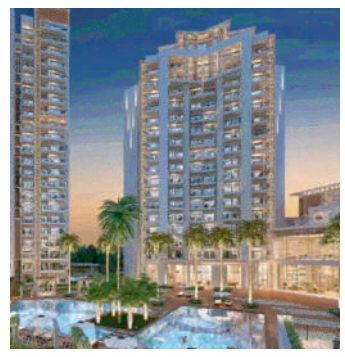

नोएडा के सेवन एक्स सेक्टर की 32 सोसायटियों में फ्लैट की रजिस्ट्री न होने से नाराज खरीदारों ने 19 जनवरी को सेक्टर-76 के पार्क में महापंचायत बुलाई है। खरीदार रजिस्ट्री के मुद्दे को सीएम योगी आदित्यनाथ और राहुल गांधी तक ले जाने की रणनीति बना रहे हैं। लेख के माध्यम से पढ़िए और जानिए पूरी खबर आखिर क्या है।

नोएडा। सेवन एक्स सेक्टर की करीब 32 सोसायटियों में फ्लैट की रजिस्ट्री न होने से नाराज खरीदारों ने महापंचायत में हुंकार भरने की तैयारी की है। 19 जनवरी को सेक्टर-76 के पार्क में महापंचायत होगी।

इसमें 300 से ज्यादा फ्लैट खरीदारों के एकत्रित होने की तैयारी चल रही है। खास बात है कि खरीदार रजिस्ट्री के मुद्दे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (CM Yogi Adityanath) और कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी (Rahul Gadhi) तक ले जाने की रणनीति बना रहे हैं।

अधिकारी खरीदारों की मांग को कर रहे अनुसना

एओए पदाधिकारियों ने बताया कि स्काईटेक में फ्लैट की रजिस्ट्री के मुद्दे पर सोमवार को खरीदारों ने नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी को ज्ञापन दिया था। उन्होंने मांग कि फ्लैटों की सील खोलने को बिना नियम के नहीं खोला जाए।

उनसे पहले रजिस्ट्री के लिए जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया था जिसमें प्राधिकरण के सीईओ के साथ 20 दिसंबर तक बैठक का आश्वासन दिया था लेकिन कोई बैठक नहीं हुई है। अधिकारी खरीदारों की मांग को लगातार अनुसना कर रहे हैं।

अब 19 जनवरी को सेक्टर-76 में महापंचायत करने का फैसला किया है। बाद में सीएम योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भी मिलकर रजिस्ट्री का मुद्दा हल कराने की मांग करेंगे।

उधर, स्काईटेक मैट्रोट के निदेशक मयंक चावला ने प्राधिकरण में बकाया रकम से 25 प्रतिशत यानी 6 करोड़ रुपये जमा कर दिए थे। उसके बाद उन्होंने फ्लैट की सील खोलने की मांग की थी।

क्या कहते हैं खरीदार

एम्स गल्फ एवेन्यू में अभी तक काम भी पूरा नहीं हुआ है। खरीदार अभी से रजिस्ट्री के लिए परेशान हैं। नोएडा प्राधिकरण में शिकायत के बावजदू सुनवाई नहो हो रही। शासन की एक रिपोर्ट में साफ लिखा है कि रजिस्ट्री से नोएडा अथारिटी के बकाये का कोई लेना-देना नहीं है। महापंचायत में हम सभी लोग रजिस्ट्री कराने की मांग करेंगे।
नवीन मिश्रा- फ्लैट खरीदार

स्काईटेक के सदस्यों ने रजिस्ट्री के लिए मांग पत्र एसीईओ वंदना त्रिपाठी को सौंपा था लेकिन उन्होंने बिल्डर की मांग पर कार्रवाई करने की जानकारी दी। सांसद के आश्वासन के बावजूद अधिकारियों से कोई वार्ता या बैठक नहीं हुई।

19 जनवरी को महापंचायत से पीड़ित खरीदार अपनी आवाज बुलंद करेंगे। उसके बाद सीएम योगी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिलनेकी योजना है। सौरभ सिन्हा- फ्लैट खरीदार

हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा में जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर इंग्लिश मंदारिन के बाद,हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोलने वाली भाषा है।10 जनवरी 2025 को जहां विश्व में हिंदी दिवस मनाया जा रहा है, वही 14 सितंबर को भारत में हिंदी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकिहिंदी को 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में राजभाषा बनाने का फैसला किया था।वैश्विक स्तरपर हिंदी को लेकर पहला आयोजन 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में किया गया था, इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। साल 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया था। साल 2006 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। हिंदी हमारी एक राजभाषा है और उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रमुख रूप से बोली जाती है। हिंदी भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश नेपाल, श्रीलंका में भी बोली जाती है, इसके अलावा दुनियाँ के कई देशों में यह भाषा लोकप्रिय है और मॉरीशस जैसे देशों में भी बोली जाती है। हिंदी को जन-जन की भाषा के रूप में भी जाना जाता है औए इस भाषा को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हर साल दो बार हिंदी दिवस मनाया जाता है। चूँकि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा व जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से, इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2025, हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मो संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा को गहराई से जानने की करें तो, (1) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा था। वह चाहते थे कि हिन्दी राष्ट्रभाषा बने। उन्होंने 1918 में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन में हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए कहा था। आजादी मिलने के बाद लंबे विचार-विमर्श के बादआखिरकार 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में हिन्दी को राज भाषा बनाने का फैसला लिया गया। हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विचार से बहुत से लोग खुश नहीं थे। कइयों का कहना था कि सबको हिंदी ही बोलनी है तो आजादी के क्या, मायने रह जाएंगे, ऐसे में मत बंटने से हिंदी नहीं बन पाई देश की राष्ट्रभाषा। (2) इंग्लिश और मंदारिन के बाद हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। (3) विश्व हिंदी दिवस और हिंदी दिवस में अंतर है, भारत में हिंदी दिवस 14 सितंबर को होता है। वहीं हर साल विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है। दोनों दिनों का मकसद हिन्दी को प्रोत्साहित करना है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तरपर इसे बढ़ावा देना है।14 सितंबर के दिन 1949 में संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का फैसला किया था। इस दिन की याद में राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। जबकि विश्व हिंदी दिवस का मकसद विश्व में हिंदी को बढ़ावा देना है। 10 जनवरी, 2006 को भारत सरकार ने इसे विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में किया गया था। अभी तक पोर्ट लुईस, स्पेन, लंदन, न्यूयॉर्क, जोहानसबर्ग आदि सहित भारत में विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। (4) दुनिया की सबसे प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी (शब्दकोश) हर साल भारतीय शब्दों को जगह दे रही है। ऑक्सफोर्ड ने आत्मनिर्भरता, चड्डी, बापू, सूर्य नमस्कार, आधार, नारी शक्ति और अच्छा शब्द को भी अपने प्रतिष्ठित शब्दकोश में जगह दी है। 'अरे यार!', भेलपूरी, चूड़ीदार, ढाबा, बदमाश, चुप, फंडा, चाचा, चौधरी, चमचा, दादागीरी, जुगाड़, पायजामा, कीमा, पापड़, करी, चटनी, अवतार, चीता, गुरु, जिमखाना, मंत्र, महाराजा, मुग़ल, निर्वाण, पंडित, ठग, बरामदा जैसे शब्द भी इसमें शामिल हैं। (5) दक्षिण प्रशांत महासागर क्षेत्र में फिजी नाम का एक द्वीप देश है जहां हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। (6) भारत के अलावा मॉरीशस, फिलीपींस, नेपाल, फिजी, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत और पाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। (7) हिंदी में उच्चतर शोध के लिए भारत सरकार ने 1963 में केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना की। देश भर में इसके आठ केंद्र हैं। (8) अभी विश्व के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। अमेरिका में लगभग एक सौ पचास से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है।(9) भारत फिजी के अलावा मॉरीशस, फिलीपींस, अमेरिका, न्यूजीलैंड, यूगांडा, सिंगापुर, नेपाल, गुयाना, सुरिनाम, त्रिनिदाद, तिब्बत, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और पाकिस्तान में कुछ परिवर्तनों के साथ ही सही लेकिन हिंदी बोली और समझी जाती है। (10) हिंदी का नाम फारसी शब्द 'हिंद' से लिया गया है, जिसका अर्थ है सिंधु नदी की भूमि। फारसी बोलने वाले तुर्क जिन्होंने गंगा के मैदान और पंजाब पर आक्रमण किया, 11वीं शताब्दी की शुरुआत में सिंधु नदी के किनारे बोली जाने वाली भाषा को 'हिंदी' नाम दिया था। यह भाषा भारत की आधिकारिक भाषा है और संयुक्त अरब अमीरात में एक मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक भाषा है।

साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा को एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा वह जीवन शैली के लिए अभिन्न हिस्सा होने की करें तो, हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है। यह हमारी पहचान है, और हम सभी हिंदी बोलकर अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखते हैं। हिंदी भाषा का इतिहास बहुत पुराना है और यह हमारे साहित्य, कला, और फिल्म उद्योग का अभिन्न हिस्सा है। हिंदी फिल्मों के माध्यम से यह भाषा न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में लोकप्रिय हुई है। बॉलीवुड ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर एक पहचान दिलाई है।दुनिया भर में हिंदी बोलने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में लगभग 44 प्रतिशत लोग हिंदी बोलते हैं और यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, नेपाल पाकिस्तान, बांगलादेश, श्रीलंका जैसे देशों में भी हिंदी बोली जाती है। आजकल हिंदी का प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, और विभिन्न देशों में हिंदी सीखने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हिंदी भाषा अब न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी लोगों के बीच संवाद का माध्यम बन गई है। हिंदी भाषा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह सभी समुदायों, धर्मों और संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है। भारत में विविधता के बावजूद हिंदी ने हमेशा एकता का प्रतीक माना है। यह भाषा हमारे राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करती है। हिंदी में संवाद करने से हम अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को आसानी से व्यक्त कर सकते हैं।विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी को एक वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित करना है। इस दिन हम यह संकल्प लेते हैं कि हम अपनी भाषा को बढ़ावा देंगे और इसे पूरे विश्व में फैलाने का कार्य करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंदी को न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी सम्मान मिले।

अतः अगर हम उपलब्ध पर्यावरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि,विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2025-हिंदी भाषा सभी समुदायों धर्मों संस्कृतियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती है।हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा में जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है।प्राचीन भारत में साहित्य कला व संस्कृति में हिंदी का अभिन्न योगदान है व भारतीय समाज की आत्मा है।

नई स्कोडा एन्याक से उठा पर्दा, नया लुक समेत एडवांस फीचर्स से हुई लैस

परिवहन विशेष न्यूज

स्कोडा ने ग्लोबल लेवल पर नई Enyaq और Enyaq Coupe को पेश किया है। नए एनियाक में लुक से लेकर फीचर्स तक में अपग्रेड देखने के लिए मिला है। इसमें दो बैटरी पैक 63 kWh और 82 kWh दिया गया है। इसमें लगी हुई बैटरी फुल चार्ज होने के बाद 500 किमी से ज्यादा की रेंज देगी। यह भारतीय बाजार में साल 2025 के अंत तक लॉन्च हो सकती है।

नई दिल्ली। ऑटोमेकर स्कोडा ने ग्लोबल लेवल पर नई Enyaq को पेश किया है। नई एनियाक में कई सारे बड़े बदलाव देखने के लिए मिला है। इसे ऑप्टिमाइज्ड एयरोडायनामिक्स के साथ नया लुक, अपमार्केट केबिन, लंबी रेंज देने वाले अपग्रेडेड पावरट्रेन और ज़्यादा स्टैंडर्ड फीचर्स दिए गए हैं। इसे दो बॉडी स्टाइल SUV और कूप में ग्लोबल लेवल पर पेश किया गया है। आइए जानते हैं कि 2025 Skoda Enyaq को क्या नए फीचर्स दिए गए हैं।

New Skoda Enyaq: डिजाइन

नई Enyaq और Enyaq Coupe के डाइमेंशन में बढ़ोतरी की गई है। Enyaq को पहले से 9 मिमी लंबा किया गया है, जो अब 4,658 मिमी और 1 मिमी ऊंचा होकर 1,622 मिमी हो गई है। इसके Enyaq Coupe को भी 5 मिमी लंबा और 2 मिमी ऊंचा किया गया है। पहले की तरह इनके मॉडल के 1,879 मिमी की चौड़ाई को बरकरार रखा गया है। इसके व्हीलबेस 1 मिमी बढ़कर 2,766 मिमी कर दिया गया है। इसके अलॉय व्हील को 19 से 21 इंच के बीच रखा गया है।

इसमें स्प्लिट हेडलाइट सेटअप और क्लोज-ऑफ ग्रिल में एक लाइट बैंड दिया गया है, जिसे टेक-डेक फेस कहा जाता है। इसमें रडार सेंसर और फ्रंट कैमरे को छिपाया गया है।

New Skoda Enyaq: इंटीरियर

इसका इंटीरियर देखने में नए जनरेशन की सुपर्ब, कोडियाक और ऑक्टेविया जैसा लगता है। इसमें बड़ी इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन, छोटा ड्राइवर डिस्प्ले, नया स्टीयरिंग व्हील दिया गया है। स्कोडा एनियाक को 6 अलग-अलग इंटीरियर ट्रिम्स के साथ पेश किया गया है, जो लॉफ्ट, लॉज, लाउंज, इको सूट, सूट और स्पोर्ट लाइन है।

New Skoda Enyaq: फीचर्स

इसमें ओपन-ऑन-एप्रोच या वॉक-अवे लॉकिंग, थ्री-ज़ोन एसी, फ्रंट हीटेड सीटें और एक टो बार जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके साथ ही, 5-इंच का ड्राइवर डिस्प्ले, 13-इंच का सेंट्रल इंफॉर्मेशन हब, 45W USB टाइप-सी पोर्ट, हेड-अप डिस्प्ले रिमोट पार्क असिस्ट फंक्शन के साथ पार्क असिस्ट फीचर दिया गया है। इसमें मिलने वाले ADAS फीचर्स में साइड असिस्ट और क्रू प्रोटेक्ट असिस्ट को शामिल किया गया है।

New Skoda Enyaq: बैटरी पैक और रेंज

नई Enyaq और Enyaq Coupe को दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ लाया गया है, जो 63 kWh और 82 kWh है। यह सिंगल और डुअल-मोटर सेटअप के साथ लाई गई है। इसमें ट्रिम लेवल पर अलग-अलग रेंज और पावर आउटपुट के साथ लाया गया है। Enyaq के 60 में 430 किमी, 85 में 580 किमी और रेंज-टॉपिंग 85x में 540 किमी की रेंज मिलने का दावा किया गया है। वहीं, इसके Enyaq Coupe के 60 में 440 किमी और 85 में 590 किमी और 85x में 550 किमी की रेंज मिलने का दावा किया जाएगा। इसकी 82 kWh बैटरी पैक 175 kW चार्जर से महज 28 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है।

New Skoda Enyaq: भारत में कब होगी लॉन्च

नई Enyaq और Enyaq Coupe को ऑटोमेकर साल 2025 के अंत तक भारत में लॉन्च कर सकती है। इसके फीचर्स और सुविधाओं को देखते हुए उम्मीद है कि कंपनी इसे 55-65 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत में लॉन्च कर सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला, किआ EV6, मर्सिडीज-बेंज EQA, BMW iX1 और वोल्वो C40 जैसी गाड़ियों से देखने के लिए मिलेगा।

जी-वैगन का इलेक्ट्रिक वर्जन ईक्यूजी 580 लॉन्च; 473km रेंज, पहिए 360-डिग्री स्पिन समेत एडवांस फीचर्स से लैस

परिवहन विशेष न्यूज

मर्सिडीज-बेंज ईक्यूजी 580 जी-वैगन लॉन्च के इलेक्ट्रिक वर्जन EQG 580 को भारत में लॉन्च कर दिया गया है। इसमें 116 kWh का बैटरी पैक दिया गया है जो महज 32 मिनट में 10 से 80 फीसद तक चार्ज हो जाती है। यह चार्ज होने के बाद 473 किमी तक की रेंज देगी। इसमें दिए गए पहिए 360-डिग्री तक स्पिन हो सकते हैं।

नई दिल्ली। मर्सिडीज-बेंज ने इलेक्ट्रिक G-Class के G-Wagon का इलेक्ट्रिक वर्जन EQG 580 को लॉन्च कर दिया है। इसे मर्सिडीज ने भारत में 3 करोड़ रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया है। इसे कंपनी EQ टेक्नोलॉजी के साथ लेकर आई है। इसका डिजाइन इसके ICE वर्जन जैसा ही रखा गया है। इसमें बड़ी बैटरी पैक, चार इलेक्ट्रिक मोटर समेत कई एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। आइए जानते हैं कि Mercedes-Benz EQG 580 इलेक्ट्रिक कार को किन फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया है।

बैटरी पैक और रेंज

G-Wagon के इलेक्ट्रिक वर्जन EQG 580 में 116 kWh का बैटरी पैक दिया गया है। इसमें 4 इलेक्ट्रिक मोटर सेटअप दिया गया है, जो मिलकर 587 PS की पावर और 1,164 Nm का टॉर्क जनरेट करते हैं। यह इलेक्ट्रिक SUV महज 4.7 सेकंड में शून्य से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है।

कंपनी की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इसमें दी गई 116 kWh बैटरी फुल चार्ज होने के बाद 473 किमी तक का रेंज मिलेगा। यह 32 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है।

डिजाइन

Mercedes-Benz EQG 580 का डिजाइन पहले की तरह ही सिग्नेचर बॉक्सी बॉडी स्टाइल रखा गया है। इसमें गोल हेडलाइट्स और चौकोर ग्रिल दिया गया है। इसके चारों तरफ LED स्ट्रिप्स दी गई है। इसमें 18-इंच एलॉय व्हील्स दिया गया है, जो ग्लॉस ब्लैक कलर में फिनिश है। इसके पीछे की तरफ फ्लैट टेलगेट दिया गया है, जो SUV के बॉक्सी लुक को और भी बेहतर बनाते हैं।

इंटीरियर और फीचर

Mercedes-Benz EQG 580 में डुअल-डिस्प्ले के साथ-साथ बहुत सारे फिजिकल बटन दिया गया है। इसका केबिन को ओपन-पोर वॉलनट वुड फिनिश दिया गया है। इसमें 12.3-इंच डिस्प्ले (ड्राइवर के डिस्प्ले और इंफोटेनमेंट सिस्टम के लिए), प्रीमियम बर्मेस्टर साउंड सिस्टम, एक 360-डिग्री कैमरा, ADAS सुविधाएँ, कई एयरबैग, मल्टी-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और वायरलेस फोन चार्जर जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

कीमत

Mercedes-Benz EQG 580 को भारत में 3 करोड़ रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में लॉन्च किया गया है। इसकी लॉन्चिंग के समय बताया गया है कि इसे कंपनी Bharat Mobility Global Expo 2025 में भी दिखाएगी। ग्लोबल बाजार में इसका मुकाबला Jeep Wrangler 4xe और Defender EV जैसे इलेक्ट्रिक कारों से देखने के लिए मिलेगा।

2025 के पहले हफ्ते में ही लगा ओला को झटका, एथेर और टीवीएस ने बिक्री के मामले में किया पीछे

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में कई वाहन निर्माताओं की ओर से Electric सेगमेंट में Scooters की बिक्री की जाती है। हर महीनों हजारों की संख्या में Electric Scooters की बिक्री होती है। जिसमें OLA Electric की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रहती थी। लेकिन साल 2025 के पहले ही हफ्ते में कंपनी को तगड़ा झटका लगा है। साल के पहले हफ्ते के दौरान किस कंपनी ने कितनी यूनिट्स की बिक्री की है। सबसे ज्यादा बिक्री किस कंपनी ने की है। अन्य कंपनियों का कैसा प्रदर्शन रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

बिक्री में पहले नंबर पर रही TVS

देश में इलेक्ट्रिक स्कूटर्स की बिक्री करने वाली कंपनी TVS साल 2025 के पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा यूनिट्स की बिक्री करने वाली कंपनी बन गई है। Vahan से मिली जानकारी के मुताबिक कंपनी ने साल के पहले हफ्ते में ही 6144 यूनिट्स की बिक्री की है। कंपनी की ओर से फिलहाल iQube के तीन वेरिएंट्स को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है।

दूसरे नंबर पर आई Bajaj

बजाज की ओर से चेतक इलेक्ट्रिक की बिक्री की जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक 4659 यूनिट्स की बिक्री 2025 के पहले महीने के पहले हफ्ते में की गई है। कंपनी ने इस स्कूटर का अपडेट हाल में ही लॉन्च किया था। जिसमें इसकी रेंज को पहले से बेहतर किया गया था।

तीसरे नंबर पर रही Ather

लिस्ट में तीसरे नंबर पर Ather रही। कंपनी ने साल के पहले हफ्ते में 3267 यूनिट्स की बिक्री की है। Ather की ओर से भी हाल में ही 2025 की 450 सीरीज को लॉन्च किया है। जिसमें नए रंगों के विकल्प के साथ कुछ नए फीचर्स को भी जोड़ा गया है।

Ola का कैसा रहा हाल

जानकारी के मुताबिक ओला इलेक्ट्रिक ने इस दौरान सिर्फ 3144 यूनिट्स की बिक्री की है। कई महीनों तक बिक्री के मामले में पहले नंबर पर रहने वाली ओला की बिक्री कम होने का सबसे बड़ा कारण आफ्टर सेल सर्विस में कमी होना है। इसके अलावा ग्राहकों की ओर से लगातार शिकायत की जा रही थी और इसका असर कंपनी की बिक्री की पड़ रहा है।

अन्य कंपनियों का कैसा रहा प्रदर्शन

रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीव्स इलेक्ट्रिक ने इस दौरान 763, बीगॉस ऑटो ने 299, रिवोल्ट मोटर्स ने 243, हीरो मोटोकॉर्प ने 229, पुर एनर्जी ने 188 और काइनैटिक ग्रीन ने 158 यूनिट्स की बिक्री की है।

हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक के इंटीरियर की मिली जानकारी, ड्यूल टोन के साथ कैसे होंगे फीचर्स, पढ़ें पूरी खबर

परिवहन विशेष न्यूज

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से जल्द ही Creta Electric को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। बाजार में आने वाली नई इलेक्ट्रिक एसयूवी में बेहतरीन तकनीक के साथ सेफ्टी फीचर्स को दिया जाएगा। Hyundai Creta EV में किस तरह के फीचर्स और इंटीरियर को दिया जाएगा। कंपनी कब और किस कीमत पर इसे लॉन्च करेगी। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में जल्द ही Bharat Mobility 2025 के तहत Auto Expo 2025 का आयोजन किया जाएगा। जहां पर वाहन निर्माताओं की ओर से कई Cars and SUVs को लॉन्च किया जाएगा। Hyundai की ओर से Creta Electric को भी इसी दौरान लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने लॉन्च से पहले इसकी तकनीक, फीचर्स और सेफ्टी फीचर्स की जानकारी सार्वजनिक कर दी है। इसमें किस तरह की तकनीक, फीचर्स को दिया जाएगा। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Hyundai Creta Electric का कैसा होगा इंटीरियर

हुंडई की ओर से जल्द ही क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को लॉन्च किया जाएगा। इसके पहले एसयूवी के एक्सटीरियर और तकनीक की जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है। कंपनी की ओर से इसमें ड्यूल टोन इंटीरियर को दिया जाएगा। इसके साथ ही कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा।

क्या होगी खासियत

Hyundai Creta Electric में कंपनी की ओर से ग्रेनाइट ग्रे और डार्क नेवी रंग का इंटीरियर दिया जाएगा। इसके साथ ही इसमें ओशन ब्लू रंग की एंबिएंट लाइट्स, फ्लोटिंग कंसोल, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नए अलॉय व्हील्स, ड्यूल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 2610 एमएम का व्हीलबेस, 8वे पावर्ड फ्रंट सीट, ड्राइवर मेमोरी सीट, 22 लीटर फ्रंक स्पेस, 433 लीटर का बूट स्पेस इसमें मिलेगा।

पहले मिल चुकी है ये जानकारी

इंटीरियर की जानकारी सार्वजनिक करने से पहले कंपनी की ओर से इसके डिजाइन, एक्सटीरियर, रेंज, बैटरी, सेफ्टी फीचर्स की जानकारी को दिया जा चुका है।

कितनी दमदार बैटरी और रेंज

कंपनी की ओर से इसमें बैटरी के दो विकल्प दिए गए हैं। जिसमें 42 KWh की क्षमता की बैटरी से इसे 390 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और 51.4 kWh की क्षमता वाली बैटरी से इसे सिंगल चार्ज में 473 किलोमीटर की रेंज मिलेगी। इसमें लगी मोटर से इसे 7.9 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड मिलेगी। इसकी बैटरी को डीसी चार्जर से 58 मिनट में 10 से 80 फीसदी तक चार्ज किया जा सकेगा। वहीं 11kW के वॉल बॉक्स चार्जर से 10 से 100 फीसदी चार्ज करने में चार घंटे का समय लगेगा।

कब होगी लॉन्च

कंपनी की ओर से क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को 17 जनवरी 2025 को Auto Expo 2025 में लॉन्च किया जाएगा।

कितनी होगी कीमत

हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक एसयूवी की एक्स शोरूम कीमत की सही जानकारी तो लॉन्च के समय मिलेगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसकी संभावित एक्स शोरूम कीमत 20 से 25 लाख रुपये के बीच हो सकती है।

किनसे होगा मुकाबला

Auto Expo 2025 में ही Maruti Grand Vitara Electric को भी लॉन्च किया जाएगा। जिसके बाद Hyundai Creta EV का सीधा मुकाबला मारुति ग्रैंड विटारा इलेक्ट्रिक, JSW MG ZS EV, Tata Curvv EV जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ होगा।

एमजी साइबरस्टर के साथ पेश होगी एम9, लग्जरी फीचर्स के साथ मिलेगी 500किमी. से ज्यादा की रेंज

परिवहन विशेष न्यूज

Auto Expo 2025 में MG Select अपनी दो लग्जरी गाड़ियों MG Cyberster और M9 को पेश करने वाली है। इनमे से MG M9 एक लग्जरी इलेक्ट्रिक MPV लिमोजिन होने वाली है। इसमें कई बेहतरीन लग्जरी फीचर्स दिए गए हैं। इसके साथ ही MG M9 limousine को कई बेहतरीन एडवांस फीचर्स के साथ भी भारत मोबिलिटी 2025 में पेश किया जाएगा।

नई दिल्ली। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 आयोजित होने जा रहा है। इसमें 100 से ज्यादा ऑटोमेकर हिस्सा लेने वाले है, जिसमें MG (Morris Garages) भी रहने वाली है। Bharat Mobility 2025 में MG Select के जरिए तीन लग्जरी गाड़ियों को पेश करने वाली है, जिसमें से दो MG Cyberster और MG M9 रहने वाली है। MG Cyberster के बारे में हम आपको पहले भी बता चुके हैं। हम यहां पर आपको MG M9 के बारे में बता रहे हैं, जो एक लग्जरी इलेक्ट्रिक MPV है। इसकी बिक्री ग्लोबल मार्केट में Mifa 9 के नाम से होती है। आइए जानते हैं कि यह M9 किन लग्जरी फीचर्स के साथ इस बार Auto Expo 2025 में पेश हो सकती है।

कैसी है MG M9

MG Select की पोर्टफोलियो की दूसरी कार MG M9 (M9 luxury electric car) को शामिल किया गया है। यह एक लग्जरी लिमोजिन है, जिसे काफी बेहतरीन तरीके से डिजाइन किया गया है। इसका केबिन को शानदार इंटीरियर और बेहतरीन फीचर्स से लैस किया गया है। वहीं, यह कई बेहतरी फीचर्स से लैस भी है।

MG M9 के लग्जरी फीचर्स

MG M9 लिमोजिन को बेहतरीन आरामदायक और लग्जरी फील मिलने वाला है। इसके दूसरे रो में रिक्लाइनिंग ओटोमन सीटों पर टच स्क्रीन हैंडरेल से लेकर बाहरी हिस्से पर ट्रेपेजॉइडल फ्रंट ग्रिल दिया गया है। इसके साथ ही, इममें ओटोमन सीटों में 8 मसाज मोड और 3-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं। इन जिनमें से सभी को हैंडरेल पर टच स्क्रीन पैनल से कंट्रोल किया जा सकता है। यह एक इलेक्ट्रिक MPV लिमोजिन है, जिसमें तीन रो में सात पैसेंजर आराम से सफर का आनंद ले सकते हैं।

MG M9 के स्पेसिफिकेशन

MG M9 लिमोजिन में हाई सीट बोनट, स्लीक डिजाइन वाली हेडलाइट्स, कनेक्टेड लाइट्स, एलईडी डीआरएल, स्लाइडिंग रियर डोर जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। इसके साथ ही ड्यूल सनरूफ, ब्लैक इंटीरियर, वायरलेस मोबाइल चार्जर, एयर प्यूरीफायर, 12.3 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12 स्पीकर ऑडियो सिस्टम, स्मार्ट की, फ्रंट ऑटो वाइपर जैसे एडवांस फीचर्स भी देखने के लिए मिल सकते हैं।

कितनी होगी कीमत

MG Select की तरफ से ऑटो एक्सपो 2025 में पेश होने जा रही MG M9 की भारत में एक्स-शोरूम कीमत 65 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका Kia Carnival Limousine से देखने के लिए मिल सकता है। 2026 तक MG Select के जरिए 4 लग्जरी कारों को लेकर आने वाली है। इन गाड़ियों की बिक्री के लिए कंपनी देशभर में 12 शोरूम भी खोलेगी।

MG Cyberster होगी लॉन्च

MG Select ऑटो एक्सपो 2025 में MG Cyberster को लॉन्च करेगी। यह कंपनी की इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार है। इसमें सिजर डोर दिए गए हैं, जो ऊपर की तरफ खुलते हैं। डैशबोर्ड पर मल्टी-स्क्रीन लेआउट, विशाल सेंटर कंसोल, स्पोर्टी फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और लेदर अपहोल्स्ट्री जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसे दो बैटरी पैक से साथ पेश किया जाएगा। इसमें 550 किमी से ज्यादा की रेंज मिल सकती है। Cyberster की एक्स शोरूम कीमत 50 से 70 लाख रुपये के बीच हो सकती है।

उम्र बढ़ने का मस्तिष्क की विभिन्न कोशिकाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसका मानचित्रण

विजय गर्ग

नए शोध से पता चलता है कि सभी मस्तिष्क कोशिकाओं की उम्र समान नहीं होती है, कुछ कोशिकाएं, जैसे कि हाइपोथैलेमस, उम्र से संबंधित अधिक आनुवंशिक परिवर्तनों का अनुभव करती हैं। इन परिवर्तनों में न्यूरोनल सर्किटरी जीन में कम गतिविधि और प्रतिरक्षा-संबंधी जीन में बढ़ी हुई गतिविधि शामिल है। निष्कर्ष आयु-संवेदनशील मस्तिष्क क्षेत्रों का एक विस्तृत मानचित्र प्रदान करते हैं, जो इस बात की अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं कि उम्र बढ़ने से अल्जाइमर जैसे मस्तिष्क संबंधी विकार कैसे प्रभावित हो सकते हैं। यह शोध उम्र बढ़ने से संबंधित मस्तिष्क परिवर्तनों और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों को लक्षित करने वाले उपचार के विकास का मार्गदर्शन कर सकता है। महत्वपूर्ण तथ्योंः असमान उम्र बढ़नाः हाइपोथैलेमिक न्यूरॉन्स और वेंट्रिकल-लाइनिंग कोशिकाएं उम्र से संबंधित सबसे बड़े आनुवंशिक परिवर्तन दिखाती हैं। जीन गतिविधि में बदलावः उम्र बढ़ने से न्यूरोनल सर्किट जीन कम हो जाते हैं लेकिन प्रतिरक्षा संबंधी जीन बढ़ जाते हैं। चिकित्सीय क्षमताः उम्र के प्रति संवेदनशील कोशिकाओं का मानचित्रण उम्र बढ़ने से संबंधित मस्तिष्क रोगों के उपचार की जानकारी दे सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) द्वारा वित्त पोषित नए ब्रेन मैपिंग शोध के आधार पर, वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि मस्तिष्क में सभी प्रकार की कोशिकाएँ एक ही तरह से पुरानी नहीं होती हैं। उन्होंने पाया कि कुछ कोशिकाएं, जैसे कि हार्मोन-नियंत्रित करने वाली कोशिकाओं का एक छोटा समूह, दूसरों की तुलना में आनुवंशिक गतिविधि में उम्र से संबंधित अधिक परिवर्तनों से गुजर सकती हैं। नेचर में प्रकाशित परिणाम इस विचार का समर्थन करते हैं कि कुछ कोशिकाएं दूसरों की तुलना में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया और उम्र बढ़ने के मस्तिष्क संबंधी विकारों के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। यह एक मस्तिष्क को दर्शाता है. पिछले अध्ययनों की तरह, प्रारंभिक परिणामों में न्यूरोनल सर्किट से जुड़े जीन की गतिविधि में कमी देखी गई। श्रेयः तंत्रिका विज्ञान समाचार "अल्जाइमर रोग और कई अन्य विनाशकारी मस्तिष्क विकारों के लिए उम्र बढ़ना सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। ये परिणाम एक अत्यधिक विस्तृत मानचित्र प्रदान करते हैं जिसके लिए मस्तिष्क की कोशिकाएं उम्र बढ़ने से सबसे अधिक प्रभावित हो सकती हैं।ह्र यह नया नक्शा वैज्ञानिकों के सोचने के तरीके को मौलिक रूप से बदल सकता है कि उम्र बढ़ने का मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है और यह उम्र बढ़ने से संबंधित मस्तिष्क रोगों के लिए नए उपचार विकसित करने के लिए एक मार्गदर्शिका भी प्रदान कर सकता है।ह्र वैज्ञानिकों ने 2 महीने के युवाह्र और 18 महीने के ह्रबूढ़ेह्र चूहों के मस्तिष्क में व्यक्तिगत कोशिकाओं का अध्ययन करने के लिए उन्नत आनुवंशिक विश्लेषण उपकरणों का उपयोग किया। प्रत्येक उम्र के लिए, शोधकर्ताओं ने 16 अलग-अलग व्यापक क्षेत्रों में स्थित विभिन्न प्रकार की कोशिकाओं की आनुवंशिक गतिविधि का विश्लेषण किया - जो कि चूहे के मस्तिष्क की कुल मात्रा का 35% है। पिछले अध्ययनों की तरह, प्रारंभिक परिणामों में न्यूरोनल सर्किट से जुड़े जीन की गतिविधि में कमी देखी गई। ये कमी न्यूरॉन्स, प्राथमिक सर्किट्री कोशिकाओं, साथ ही एस्ट्रोसाइट्स और ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स नामक ग्लिअलह्र कोशिकाओं में देखी गई, जो न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर को नियंत्रित करने और तंत्रिका फाइबर को विद्युत रूप से इन्सुलेट करके तंत्रिका सिग्नलिंग का समर्थन कर सकती हैं। इसके विपरीत, उम्र बढ़ने से मस्तिष्क की प्रतिरक्षा और सूजन प्रणालियों के साथ-साथ मस्तिष्क रक्त वाहिका कोशिकाओं से जुड़े जीन की गतिविधि में वृद्धि हुई। आगे के विश्लेषण से यह पता लगाने में मदद मिली कि कौन सी कोशिकाएँ उम्र बढ़ने के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, परिणामों ने सुझाव दिया कि उम्र बढ़ने से मस्तिष्क के कम से कम तीन अलग-अलग हिस्सों में पाए जाने वाले नवजात न्यूरॉन्स का विकास कम हो जाता है। पिछले अध्ययनों से पता चला है कि इनमें से कुछ नवजात न्यूरॉन्स सर्किट्री में भूमिका निभा सकते हैं जो सीखने और स्मृति के कुछ रूपों को नियंत्रित करते हैं जबकि अन्य चूहों को विभिन्न गंधों को पहचानने में मदद कर सकते हैं। जो कोशिकाएं उम्र बढ़ने के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील प्रतीत होती हैं, वे तीसरे वेंट्रिकल को घेर लेती हैं, एक प्रमुख पाइपलाइन जो मस्तिष्कमेरु द्रव को हाइपोथैलेमस से गुजरने में सक्षम बनाती है। चूहे के मस्तिष्क के आधार पर स्थित, हाइपोथैलेमस पैदा करता हैहार्मोन जो तापमान, हृदय गति, नींद, प्यास और भूख सहित शरीर की बुनियादी ज़रूरतों को नियंत्रित कर सकते हैं। परिणामों से पता चला कि हाइपोथैलेमस में तीसरे वेंट्रिकल और पड़ोसी न्यूरॉन्स को अस्तर करने वाली कोशिकाओं में उम्र के साथ आनुवंशिक गतिविधि में सबसे बड़ा बदलाव होता है, जिसमें प्रतिरक्षा जीन में वृद्धि और न्यूरोनल सर्किटरी से जुड़े जीन में कमी शामिल है। अवलोकन कई अलग-अलग जानवरों पर किए गए पिछले अध्ययनों से मेल खाते हैं, जिनमें उम्र बढ़ने और शरीर के चयापचय के बीच संबंध दिखाया गया है, जिसमें यह भी शामिल है कि कैसे रुक-रुक कर उपवास और अन्य कैलोरी-प्रतिबंधित आहार जीवन काल को बढ़ा सकते हैं। विशेष रूप से, हाइपोथैलेमस में आयु-संवेदनशील न्यूरॉन्स भोजन और ऊर्जा-नियंत्रित हार्मोन का उत्पादन करने के लिए जाने जाते हैं, जबकि वेंट्रिकल-लाइनिंग कोशिकाएं मस्तिष्क और शरीर के बीच हार्मोन और पोषक तत्वों के पारित होने को नियंत्रित करती हैं। निष्कर्षों के अंतर्निहित जैविक तंत्र की जांच करने के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के किसी भी संभावित लिंक की खोज के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। ह्रइस अध्ययन से पता चलता है कि विश्व स्तर पर मस्तिष्क की अधिक जांच करने से वैज्ञानिकों को मस्तिष्क की उम्र कैसे बढ़ती है और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग सामान्य उम्र बढ़ने की गतिविधि को कैसे बाधित कर सकते हैं, इस बारे में नई जानकारी मिल सकती है।ह्र चूहों में स्वस्थ उम्र बढ़ने के मस्तिष्क-व्यापी कोशिका-प्रकार के विशिष्ट ट्रांसक्रिप्टोमिक हस्ताक्षर जैविक उम्र बढ़ने को आणविक और सेलुलर कार्यों के विभिन्न पहलुओं में होमोस्टैसिस के क्रमिक नुकसान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। स्तनधारी मस्तिष्क में हजारों प्रकार की कोशिकाएँ होती हैं, जो उम्र बढ़ने के प्रति अलग-अलग रूप से संवेदनशील या लचीली हो सकती हैं। यहां हम एक व्यापक एकल-कोशिका आरएनए अनुक्रमण डेटासेट प्रस्तुत करते हैं जिसमें अग्रमस्तिष्क, मध्यमस्तिष्क और पश्चमस्तिष्क तक फैले क्षेत्रों से युवा वयस्क और दोनों लिंगों के वृद्ध चूहों की मस्तिष्क कोशिकाओं के लगभग 1.2 मिलियन उच्च-गुणवत्ता वाले एकल-कोशिका ट्रांसक्रिप्टोम शामिल हैं। सभी कोशिकाओं के उच्च-रिज़ॉल्यूशन क्लस्टरिंग के परिणामस्वरूप 847 सेल क्लस्टर बनते हैं और कम से कम 14 आयु-पक्षपाती क्लस्टर का पता चलता है जो अधिकतर ग्लियाल प्रकार के होते हैं। व्यापक सेल उपवर्ग और सुपरटाइप स्तरों पर, हम उम्र से जुड़े जीन अभिव्यक्ति हस्ताक्षर पाते हैं और कई न्यूरोनल और गैर-न्यूरोनल सेल प्रकारों के लिए 2,449 अद्वितीय विभेदित रूप से व्यक्त जीन (आयु-डीई जीन) की एक सूची प्रदान करते हैं। जबकि अधिकांश आयु-डीई जीन विशिष्ट कोशिका प्रकारों के लिए अद्वितीय होते हैं, हम कोशिका प्रकारों में उम्र बढ़ने के साथ सामान्य हस्ताक्षर देखते हैं, जिसमें कई न्यूरॉन प्रकारों, प्रमुख एस्ट्रोसाइट प्रकारों और परिपक्व ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स में न्यूरोनल संरचना और कार्य से संबंधित जीन की अभिव्यक्ति में कमी शामिल है। प्रतिरक्षा कोशिका प्रकारों और कुछ संवहनी कोशिका प्रकारों में प्रतिरक्षा कार्य, एंटीजन प्रस्तुति, सूजन और कोशिका गतिशीलता से संबंधित जीन की अभिव्यक्ति में वृद्धि। अंत में, हम देखते हैं कि कुछ कोशिका प्रकार जो उम्र बढ़ने के प्रति सबसे बड़ी संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं, वे हाइपोथैलेमस में तीसरे वेंट्रिकल के आसपास केंद्रित होते हैं, जिनमें टैनीसाइट्स, एपेंडिमल कोशिकाएं और आर्कुएट न्यूक्लियस, डॉर्सोमेडियल न्यूक्लियस और पैरावेंट्रिकुलर न्यूक्लियस में कुछ न्यूरॉन प्रकार शामिल हैं जो जीन को व्यक्त करते हैं। विहित रूप से ऊर्जा होमियोस्टैसिस से संबंधित। इनमें से कई प्रकार न्यूरोनल फ़ंक्शन में कमी और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में वृद्धि दोनों को दर्शाते हैं। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि हाइपोथैलेमस में तीसरा वेंट्रिकल चूहे के मस्तिष्क में उम्र बढ़ने का केंद्र हो सकता है। कुल मिलाकर, यह अध्ययन सामान्य उम्र बढ़ने से जुड़े मस्तिष्क में कोशिका-प्रकार-विशिष्ट ट्रांसक्रिप्टोमिक परिवर्तनों के एक गतिशील परिदृश्य को व्यवस्थित रूप से चित्रित करता है जो उम्र बढ़ने में कार्यात्मक परिवर्तनों और उम्र बढ़ने और बीमारी की बातचीत की जांच के लिए एक आधार के रूप में काम करेगा।

● कल्पनाओं के बीज

विजय गर्ग

मन मस्तिष्क के भीतर किसी भी विषय से संबंधित उत्पन्न होने वाले विचारों के समूह को ही कल्पना कहा जाता है। सच कहा जाए तो कल्पना ही वह आधार है, जिस पर वास्तविकता की विशालकाय इमारत तैयार होती है। वास्तविकता रूपी रेखा का आरंभिक बिंदु कल्पना होती है और बिना एक बिंदु से शुरुआत किए रेखा की रचना कर पाना असंभव कार्य है। मनुष्य का जीवन प्रकृति प्रदत्त क अमूल्य और अद्वितीय उपहार है। सकारात्मकता से परिपूर्ण जीवन में बहुत सारे उद्देश्य और लक्ष्य निहित रहते हैं ।

किसी उद्देश्य की सफल पूर्ति के लिए यह नितांत आवश्यक है कि उससे संबंधित एक अर्थपूर्ण योजना तैयार की जाए और उस योजना के आधार पर धीरे-धीरे क्रियान्वयन से पूर्णता की तरफ कदम बढ़ाया जाए। मगर लक्ष्य की योजना एक व्यवस्थित आकार ले सके, इसके लिए पहली और अनिवार्य शर्त यह है कि योजना को कल्पना के धरातल पर व्यवस्थित रूप में उकेरा जाए। एक बार अगर कल्पना ने सुंदर आकार ले लिया, तो फिर वास्तविकता को आकर्षक रूप लेने से कोई नहीं रोक सकता है। वास्तविकता एक विशालकाय वृक्ष का रूप ले सके, इसके लिए यह परम आवश्यक है कि कल्पना भली-भांति एक बीज का रूप लेकर मन मस्तिष्क में घर बनाए । यहां एक बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि जैसा बीज होगा, निश्चित रूप से वृक्ष भी वैसा ही तैयार होगा। यह सोच कर देखा जा सकता है कि अगर बीज कंटकों का बोया है, तो फिर कुसुमों की अपेक्षा करना कहां तक अर्थपूर्ण है। अगर कल्पना में रचनात्मकता का समावेश है, तो निश्चित रूप से वह व्यक्ति को सृजन और सकारात्मकता की ओर उन्मुख करेगी। ऐसी कल्पना से उपजी वास्तविकता भी निस्संदेह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के लिए कल्याणकारी होगी।

दूसरी तरफ अगर कल्पना में विध्वंस या नकारात्मकता की पृष्ठभूमि निर्मित हो गई है, तब ऐसी स्थिति में जन्म लेने वाली वास्तविकता किसी भी रूप में उपयोगी और अर्थपूर्ण नहीं हो सकती। एक उत्कृष्ट उदाहरण के तौर पर देखें तो विज्ञान और साहित्य, दोनों ही कल्पना की उपज हैं। विज्ञान का कोई भी सिद्धांत ऐसा नहीं है, जिसको अस्तित्व में लाने से पूर्व उसे कल्पना को वास्तविक रूप में आकार देकर, जमीन पर उतार कर कसौटी पर परखा और जांचा न गया हो। आज तकनीकी दिन प्रतिदिन नवीन और बड़े-बड़े आयामों को स्पर्श करती जा रही है। इस प्रगति के मूल में कहीं न कहीं एक छोटी- सी कल्पना ही समावेशित है। साहित्य का सृजन भी बिना कल्पना का सहारा लिए संभव नहीं है। यह एक शाश्वत सत्य है कि जिस स्तर की कल्पना होगी, उसी स्तर की वास्तविकता भी घटित होगी ।

कल्पना अगर आशा की किरणों से अभिसिंचित है, तो निश्चित रूप से वास्तविकता भी सकारात्मक परिणाम से परिपूर्ण होगी। इसके विपरीत अगर कल्पना के अंदर लेशमात्र भी नकारात्मकता और निराशा जैसे भाव भरे हुए हैं तो वास्तविकता का किसी भी दशा में आशा से कोई संबंध नहीं होगा। कल्पना की एक विशेषता यह भी है कि यह पूर्णरूपेण वास्तविकता में परिणत नहीं होती। कल्पना किस सीमा तक वास्तविकता का रूप लेगी, यह कई कारकों द्वारा निर्धारित होता है। इन कारकों में परिवेश की प्रकृति, परिश्रम का स्तर और भाग्य प्रमुख हैं। छोटे से लेकर बड़े तक किसी भी कार्य या लक्ष्य की सफल सिद्धि के लिए हमारा आरंभिक बिंदु कल्पना ही होना चाहिए।

अगर अपने उद्देश्य की संपूर्ण योजना को हमने विधिवत और सुंदर रूप में कल्पना के खाके में उतार लिया, तो इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि हमारे कार्य ने पूर्णता की दिशा में आधी दूरी तय कर शेष बची आधी दूरी को तय करके पूर्णता तक पहुंचना नितांत सहज हो जाता है। अंतर्मन में कल्पना का बीज बोते समय व्यक्ति को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि अंतर्मन की भूमि में किसी तरह का कोई तनाव न उत्पन्न होने पाए। तनाव एक ऐसा घातक तत्त्व है जो अंतस की उर्वरा शक्ति को धीरे-धीरे क्षीण करते हुए समाप्ति की ओर ले जाता है। मन जितना तनावमुक्त होगा, उसकी उर्वरा शक्ति उतनी ही उत्तम होगी। यह विचार करने की जरूरत है कि किसी बंजर भूमि में बीज बोने पर क्या घटित होगा। वह बीज उसी भूमि में दम तोड़ने को विवश हो जाएगा।

बीज को अंकुरित, पुष्पित और पल्लवित होने की अवस्था प्राप्त करने के लिए एक अनिवार्य शर्त यह है कि उसे एक उर्वरा भूमि के अंक में खेलने का सौभाग्य प्राप्त हो । कल्पना के बीज को भी वास्तविकता के वृक्ष के रूप में तैयार होने के लिए यह परम आवश्यक है कि हमारा अंतर्मन पूरी तरह से स्वतंत्र हो । किसी भी तरह का लेशमात्र तनाव या बंधन हमारे अंतर्मन को कल्पनारूपी बीज के प्रस्फुटन के लिए अनुकूल दशाएं प्रदान करने से रोक देता है। कल्पना का संसार बहुत विशद और असीम होता है। इसमें अनंत संभावनाएं विद्यमान रहती हैं, लेकिन इतना अवश्य है कि ये संभावनाएं द्विविमीय होती हैं । कहने का आशय यह है कि कल्पना के विशाल जगत में एक ओर प्रगति की संभावनाएं हैं तो दूसरी ओर अवनयन की । एक ओर सृजन की संभावनाएं हैं तो दूसरी ओर विनाश की। एक ओर उत्साह की संभावनाएं हैं तो दूसरी ओर हताशा की । एक ओर सत्य की संभावनाएं हैं तो दूसरी ओर असत्य की। इस असीम कल्पनाकोश में सबसे महत्त्वपूर्ण और ध्यान देने योग्य बिंदु यही है कि हम किस दिशा को चुनें। सही दिशा और सही विषय को चयनित करने के बाद ही हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारी कल्पना के बीज से प्रस्फुटित होने वाली वास्तविकता अर्थपूर्ण, उद्देश्य से युक्त और मानवजाति के लिए कल्याणकारी होगी।

अघोषित महामारी का रूप लेती इंटरनेट की लत

विजय गर्ग

इंटरनेट ने हमारे जीवन को बदलकर रख दिया है। यह सूचना, मनोरंजन और ज्ञान का असीमित स्रोत बनकर हमारे जीवन को आसान व सुविधाजनक बना रहा है। लेकिन, इसके अत्यधिक उपयोग ने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है- इंटरनेट की लत। यह समस्या इतनी गंभीर हो चुकी है कि इसे एक अघोषित महामारी कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। मलेशियाई शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह सामने आया है कि इंटरनेट की लत और इंटरनेट पर बिताए गए समय के बीच एक गहरा संबंध है, जो उपयोगकर्ताओं के सामाजिक और मानसिक अलगाव को बढ़ावा देता है। इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग हमारे दिमाग की संरचना पर गहरा दुष्प्रभाव डाल रहा है। इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, स्मरणशक्ति और सामाजिक दृष्टिकोण प्रभावित हो रहे हैं।

'साइबर एडिक्शन' या इंटरनेट की लत का अर्थ है आनलाइन गतिविधियों में इतना लीन हो जाना कि यह व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक जीवन को बाधित करने लगे। इंटरनेट - मीडिया, गेम्स, वीडियो स्ट्रीमिंग और अनावश्यक ब्राउजिंग इसके मुख्य कारण हैं। एक आम आदमी रोजाना घंटों इंटरनेट पर बिताता है और यह समय बढ़ रहा है। इंटरनेट का असीमित उपयोग मस्तिष्क के कार्यों को बाधित करता है। लगातार आने वाले नोटिफिकेशन और सूचनाओं की बाढ़ हमारी एकाग्रता को भंग कर देती है । यह हमारी किसी एक कार्य पर ध्यान केंद्रित करने, गहराई से समझने और उसे आत्मसात करने की क्षमता को दुष्प्रभावित करता है। इंटरनेट की लत मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है।

अत्यधिक स्क्रीन समय चिंता, अवसाद और एकाकीपन जैसी समस्याओं को जन्म देता है। युवा और किशोर वर्ग, जो अपना अधिकतर समय आनलाइन प्लेटफार्म्स पर बिताते हैं, इस लत से सर्वाधिक दुष्प्रभावित हैं। इंटरनेट की लत शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक साबित हो रही है। लगातार स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों में थकान, सिरदर्द, मोटापा और रीढ़ की समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा, अनियमित दिनचर्या और नींद की कमी से दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

इंटरनेट की लत मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में गामा अमिनियोब्यूटरिक एसिड (जीएबीए) का स्तर बढ़ा देती है। यह एसिड मस्तिष्क की गतिविधियों जैसे जिज्ञासा, तनाव व नींद को नियंत्रित करता है। जब जीएबीए का स्तर असंतुलित हो जाता है, तो यह बेचैनी, अधीरता, तनाव और अवसाद को बढ़ावा देता है। इंटरनेट की लत मस्तिष्क के तंत्रिका सर्किट को तेजी से और पूरी तरह नए तरीके से प्रभावित कर रही है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। इंटरनेट की लत शराब और सिगरेट की लत के समान खतरनाक होती जा रही है। डिजिटल डिटाक्स, समय प्रबंधन और जागरूकता अभियान इस लत को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

डिजिटल ढाल: बच्चों को डिजिटल जाल से बचाना

विजय गर्ग

भारत सरकार ने मजबूत डेटा सुरक्षा उपायों के माध्यम से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 का प्रस्ताव दिया है। डिजिटल क्रांति ने हमारे जीने, सीखने और जुड़ने के तरीके को गहराई से बदल दिया है। हालाँकि यह परिवर्तन वृद्धि और विकास के लिए अपार अवसर प्रदान करता है, लेकिन यह विशेष रूप से बच्चों जैसी कमजोर आबादी के लिए महत्वपूर्ण जोखिम भी पैदा करता है। डिजिटल दुनिया अनुचित सामग्री के संपर्क से लेकर लक्षित विज्ञापन के माध्यम से शोषण तक चुनौतियों से भरी है। मजबूत सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के तहत डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 पेश किया है। ये नियम, जो अभी भी मसौदा रूप में हैं, जिम्मेदार डेटा प्रबंधन के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करके बच्चों को डिजिटल जाल में फंसने से बचाने की क्षमता रखते हैं। मसौदा नियमों की आधारशिला बच्चों के डेटा को संसाधित करने से पहले सत्यापन योग्य माता-पिता की सहमति की आवश्यकता है। यह अधिदेश सुनिश्चित करता है कि संस्थाएं अपने माता-पिता या कानूनी अभिभावकों के स्पष्ट प्राधिकरण के बिना नाबालिगों के बारे में डेटा एकत्र या उपयोग नहीं कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या ऑनलाइन गेमिंग सेवा पर खाता

बनाने के लिए माता-पिता को उनकी पहचान सत्यापित करने और डेटा प्रोसेसिंग गतिविधियों को मंजूरी देने की आवश्यकता होती है। यह प्रावधान हिंसक लक्ष्यीकरण, पहचान की चोरी और अनधिकृत डेटा संग्रह से उत्पन्न जोखिमों को कम करने में महत्वपूर्ण है। माता-पिता को नियंत्रण में रखकर, नियम व्यवसायों को वित्तीय लाभ के लिए बच्चों के डेटा का शोषण करने से रोकते हैं। यह सुरक्षा उपाय बच्चों को व्यवहार संबंधी प्रोफाइलिंग से बचाने के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसका उनके मनोवैज्ञानिक विकास और गोपनीयता पर दीर्घकालिक प्रभाव हो सकता है। शैक्षणिक संस्थान बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे भी डेटा संग्रह पर बहुत अधिक निर्भर होते हैं। मसौदा नियम स्पष्ट रूप से स्कूलों और संबद्ध संस्थानों में डेटा प्रोसेसिंग को उन गतिविधियों तक सीमित करके संबोधित करते हैं जो शैक्षिक उद्देश्यों या छात्रों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। उदाहरण के लिए, उपस्थिति पर नज़र रखना, व्यवहार की निगरानी करना और परिवहन सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना स्वीकार्य है, लेकिन अत्यधिक या अप्रासंगिक डेटा संग्रह निषिद्ध है। ये सुरक्षा उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों के डेटा का स्पष्ट औचित्य के बिना दुरुपयोग या पुनर्उपयोग नहीं किया जाए। डिजिटल दुनिया एक दोधारी तलवार हो सकती है। हालाँकि यह शैक्षिक संसाधन और मनोरंजन प्रदान करता है, लेकिन यह बच्चों को अनुचित या हानिकारक सामग्री के संपर्क में भी लाता है। मसौदा नियमों में कहा गया है कि डेटा फिड्यूशियरी यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय लागू करें कि बच्चे ऐसी सामग्री तक नहीं पहुंच सकें जो उनकी भलाई पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसमें हिंसा, स्पष्ट सामग्री और अन्य आयु-अनुचित सामग्री से संबंधित सामग्रियों को फ़िल्टर करना शामिल है। ऐसे प्रावधान बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो विशेष रूप से हानिकारक डिजिटल उत्तेजनाओं के प्रभाव के प्रति संवेदनशील हैं। इसके अलावा, वे एक सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के लिए नियामकों और प्रौद्योगिकी कंपनियों के बीच सहयोग के महत्व को रेखांकित करते हैं। नए ढांचे में सहमति प्रबंधक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मध्यस्थों के रूप में, वे डेटा प्रिंसिपलों को - इस मामले में, माता-पिता या अभिभावकों को - डेटा प्रोसेसिंग गतिविधियों के लिए सहमति देने, प्रबंधन, समीक्षा करने और वापस लेने में सक्षम बनाते हैं। इन प्रबंधकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रक्रिया पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल हो, माता-पिता को यह निगरानी करने के लिए सशक्त बनाना कि उनके बच्चों के डेटा का उपयोग कैसे किया जा रहा है। मसौदा नियमों में सहमति प्रबंधकों को बोर्ड भर में जवाबदेही बढ़ाने के लिए दी गई, अस्वीकृत या वापस ली गई सहमति के विस्तृत रिकॉर्ड बनाए रखने की भी आवश्यकता होती है। जबकि मसौदा नियम एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनका सफल कार्यान्वयन कई चुनौतियों पर काबू पाने पर निर्भर करता है। इसके लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता है, जैसे आधार जैसी सत्यापित डिजिटल आईडी को सहमति प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत करना।

गिरती प्रजान दर भविष्य का नया संकट

विजय गर्ग

किसी भी देश का भविष्य उसकी आने वाली पीढ़ी निर्धारित करती है। अगर आने वाली पीढ़ी पर ही खतरा मंडराने लगे, तो उस देश का सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना विच्छिन्न होने लगता है। ऐसा ही कुछ खतरा एशिया के कुछ अमीर देशों के ऊपर मंडराने लगा है, जहां पिछले 30 वर्षों में महिलाओं की प्रजनन दर में भारी कमी आई है। जापान इस समस्या से पहले से ही जूझ रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि कई अमीर एशियाई देशों की हालत तो जापान से भी बदतर है। जापान की प्रजनन दर वर्ष 1990 में 1.6 थी, जो वर्ष 2020 में गिरकर 1.3 रह गई है, जबकि चीन में यह दर 2.3 से गिरकर 1.3, सिंगापुर में 1.7 से गिरकर 1.1, हांगकांग में 1.3 से गिरकर 0.9 और दक्षिण कोरिया में 1.6 से गिरकर 0.8 रह गई है। आम भाषा में समझें तो दक्षिण कोरिया में 1990 में जहां 10 महिलाएं 16 बच्चों को जन्म देती थीं, वहीं 2020 में 10 महिलाओं ने सिर्फ 8 बच्चों को जन्म दिया। चीन में वर्ष 2021 में 1.06 करोड़ बच्चे पैदा हुए, जो वर्ष 2020 की तुलना में 14 लाख कम थे। जापान में तो एक साल में सिर्फ 8 से 10 लाख बच्चे पैदा हो रहे हैं। तुलनात्मक रूप में देखें तो इसके उलट अमरीका में एक साल में लगभग 35 से 40 लाख बच्चे पैदा हो रहे हैं। इन एशियाई देशों में प्रजनन दर में कमी का कारण क्या है? समस्या के सामाजिक और आर्थिक दोनों पहलू हैं।

अगर सामाजिक कारणों की तरफ नजर डालें, तो सबसे पहला और प्रमुख कारण हैं कि अमीर एशियाई देशों में लोग आम तौर पर बिना शादी के बच्चे नहीं पैदा करते। जापान और दक्षिण कोरिया में सिर्फ 3 प्रतिशत बच्चे अनब्याही मांओं ने पैदा किए थे, क्योंकि कई देशों में (खासतौर पर चीन) बिना बाप के बच्चे कई अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। ऐसे प्रतिबंध नहीं होने की वजह से पश्चिमी अमीर देशों में यह दर 30 से 60 प्रतिशत के बीच है। इसी के साथ लोगों का शादी न करना भी इस समस्या को गंभीर करता जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार जापान में वर्ष 2040 तक अविवाहित लोगों की संख्या पूरी आबादी की आधी हो जाएगी। ऐसे में एक बड़ा सवाल उठता है कि इतनी बड़ी संख्या में अविवाहित लोग समाज की संरचना को कैसे प्रभावित करेंगे? यह एक ऐसा विषय है जिस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है।

आर्थिक कारणों में सबसे प्रमुख है, स्कूल की महंगी पढ़ाई। दुनिया के जिन दस शहरों में स्कूली शिक्षा सबसे ज्यादा महंगी है, उनमें से 4 चीन में हैं और एक दक्षिण कोरिया में। जापान में स्कूलों में दाखिले के लिए तैयारी करवाने वाले कोचिंग/ट्यूशन केंद्रों, जिन्हें जकू कहा जाता है, की संख्या वहां के स्कूलों से भी अधिक है। वर्ष 2018 में 50,000 जुकू जापान में थे, जबकि स्कूलों की संख्या 35,000 थी। महंगी पढ़ाई और इससे जुड़ी समस्याओं की वजह से वहां के लोग कम बच्चे पैदा कर रहे हैं। एक और आर्थिक कारण जिसने हाल ही में प्रजनन दर को प्रभावित किया है वह है, घरों की बढ़ती कीमतें। अनुसंधान से पता चलता है कि घर के महंगे होने के कारण शादीशुदा लोग बच्चे या तो देर से पैदा कर रहे हैं या निसंतान रहना पसंद कर रहे हैं। जापान में यह स्थिति इसलिए और भी ज्यादा गंभीर है, क्योंकि वहां पक्का घर नहीं बनाया जाता है और लकड़ी के घरों का मूल्य 22 सालों के बाद शून्य हो जाता है और इसके बाद उसे गिरा दिया जाता है। इस वजह से जापान में एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में 4 से 5 बार घर खरीदना पड़ता है।

प्रजनन दर में होने वाली कमी से उपजने वाली समस्याएं सर्वविदित हैं। जापान इसका जीता-जागता उदाहरण है, जहां कार्यशील लोगों

पर वृद्ध लोगों का भार निरंतर बढ़ता जा रहा है और यह आशंका है कि आने वाले वर्षों में जापान के पास काम करने के लिए युवा नहीं रहेंगे। अगर अब भी अमीर एशियाई देशों ने समस्या की गंभीरता को नहीं समझा, तो उन्हें सामाजिक और आर्थिक स्तर पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

देश की सबसे बड़ी IT कंपनी ने पेश किए दमदार नतीजे, डिविडेंड का भी एलान

परिवहन विशेष न्यूज

टीसीएस का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर दिसंबर तिमाही में 12 फीसदी बढ़कर 12380 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। उसका रेवेन्यू 6 फीसदी बढ़कर 63973 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस मौजूदा वित्त वर्ष में पहले भी दो बार में प्रति शेयर 10-10 रुपये यानी कुल 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड बांट चुकी है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने वित्त वर्ष 2024-25 की दिसंबर तिमाही में काफी शानदार प्रदर्शन किया है। टाटा ग्रुप की इस आईटी फर्म का प्रॉफिट और रेवेन्यू दोनों बढ़ा है। टीसीएस ने वित्त वर्ष के तीसरे अंतरिम डिविडेंड और स्पेशल डिविडेंड का भी एलान भी किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट भी फिक्स हो गई है। टीसीएस दिसंबर तिमाही के वित्तीय नतीजे पेश करने वाली पहली बड़ी कंपनी है। HCL टेक, विप्रो और इन्फोसिस अगले हफ्ते दिसंबर तिमाही के नतीजे पेश करेंगी।

दिसंबर तिमाही में कैसा रहा टीसीएस का प्रदर्शन

टीसीएस का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर दिसंबर तिमाही में 12 फीसदी बढ़कर 12,380 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। उसका रेवेन्यू 6 फीसदी बढ़कर 63,973 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस के सीईओ और एमडी के कृतिनिवासन का कहना है कि वह टोटल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू (TCV) परफॉरमेंस पर काफी खुश हैं। दिसंबर तिमाही में कंपनी का टोटल ऑर्डर बुक 1020 करोड़ डॉलर रहा। एक साल पहले यह यह 810 करोड़ डॉलर था।

डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट

टीसीएस ने अपने शेयरहोल्डर्स को शानदार डिविडेंड का तोहफा भी दिया है। उसने 10 रुपये के अंतरिम डिविडेंड और 66 रुपये के स्पेशल डिविडेंड का एलान किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 17 जनवरी फिक्स की गई है। इसका मतलब है कि जिन शेयरहोल्डर्स के डीमैट खाते में 17 जनवरी तक टीसीएस के शेयर रहेंगे, उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा।

टीसीएस मौजूदा वित्त वर्ष में पहले भी दो बार में प्रति शेयर 10-10 रुपये यानी कुल 20 रुपये का अंतरिम डिविडेंड बांट चुकी है। आज नतीजों से पहले निवेशकों ने एहतियात के तौर पर टीसीएस के शेयरों से दूरी बनाकर रखी है। इसका स्टॉक 1.57 फीसदी की गिरावट के साथ 4,044.00 रुपये बंद हुए।

टीसीएस के वर्कफोर्स में आई कमी

टीसीएस ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी में 5,370 कर्मचारी कम हुए हैं। इससे कुल कर्मचारियों की संख्या 6,12,724 से घटाकर 6,07,354 पर आ गई है। इसका मतलब है कि 5,370 कर्मचारियों ने या तो नौकरी बदल ली है या फिर उन्हें निकाला गया है। टीसीएस के डायवर्सिफायड वर्कफोर्स में 35.3 फीसदी महिलाएं शामिल हैं और इसमें 152 देशों के कर्मचारी शामिल हैं।

टीसीएस के CHRO मिलिंद लक्कड़ के मुताबिक, दिसंबर तिमाही में 25,000 से ज्यादा एसोशिएट्स को प्रोमोट किया गया। टीसीएस कर्मचारियों के स्किल डेवलपमेंट के लिए भी बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। कंपनी कैंपस में भी अपनी प्लेसमेंट स्कीम के मुताबिक आगे बढ़ रही हैं। कंपनी अगले साल कैंपस में प्लेसमेंट बढ़ाने की तैयारी भी कर रही है।

एसआरएफ और नवीन फ्लोरीन के शेयरों में 14 फीसदी तक का उछाल, जानें किस वजह से आई तूफानी तेजी

अमेरिका में रेफ्रिजरेंट गैसों की कीमतों में बढ़ोतरी की खबर के बाद 9 जनवरी को स्पेशलिटी केमिकल कंपनियों- SRF और नवीन फ्लोरीन के शेयरों में करीब 12 फीसदी की उछाल आया। यह लगातार तीसरा कारोबारी सेशन है जब इन दोनों के शेयरों में तेजी आई है। SRF के शेयर 13.8 फीसदी बढ़कर 2678.95 रुपये के पहुंच गए। वहीं नवीन फ्लोरीन के शेयर 13.9 फीसदी बढ़कर 3974.15 रुपये पर पहुंच गए।

नई दिल्ली। केमिकल कंपनियों SRF लिमिटेड और नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल के शेयरों में गुरुवार 14 फीसदी तक की तेज उछाल देखा गया। रिपोर्ट में वैश्विक रेफ्रिजरेंट गैस की कीमतें बढ़ने की बात कही गई है। इसकी वजह प्रमुख रेफ्रिजरेंट गैसों- R32 और R125 की सप्लाई की किल्लत है। इसका असर हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (HVAC) क्षेत्र पर भी पड़ेगा, जो अपने संचालन के लिए इन गैसों पर काफी ज्यादा निर्भर करते हैं। इससे दोनों फर्मों में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ गई।

शेयरों में कितना आया उछाल

गुरुवार को SRF लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 13.8 फीसदी बढ़कर 2,678.95 रुपये के दिन के स्तर तक पहुंच गए थे। वहीं नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल के शेयर 13.9 फीसदी बढ़कर 3,974.15 रुपये पर पहुंच गए। इक्विरस कैपिटल के अनुसार, रेफ्रिजरेंट गैसों की ग्लोबल सप्लाई में कमी के कारण कीमतें बढ़ गई हैं। इससे SRF और नवीन फ्लोरीन जैसे मैन्युफैक्चरर्स के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय अवसर पैदा हो गए हैं।

SRF को कितना होगा फायदा

एनालिस्टों ने बताया कि SRF विशेष रूप से अच्छी स्थिति में है। इसका सालाना उत्पादन क्षमता 29,000 से 30,000 टन आर32 और लगभग 7,000 टन आर125 है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि आर32 की कीमतों में हर 1 डॉलर प्रति किग्रा की वृद्धि से एसआरएफ का EBITDA 260 करोड़ रुपये बढ़ सकता है। वहीं आर125 की कीमतों में इसी तरह की वृद्धि से इसके EBITDA में 60 करोड़ रुपये की वृद्धि हो सकती है।

नवीन फ्लोरीन का भी बढ़ेगा लाभ

नवीन फ्लोरीन फिलहाल सालाना 4,500 टन R32 का उत्पादन करता है। इसे भी कीमतें बढ़ने से फायदा होने की संभावना है। इसने फरवरी 2025 तक अपनी R32 प्रोडक्शन कैपेसिटी को दोगुना करके 9,000 टन करने की योजना बनाई है। इससे कंपनी का मुनाफा और भी अधिक बढ़ सकता है। इक्विरस ने अनुमान लगाया कि फरवरी 2025 से, R32 की कीमतों में हर $1/किग्रा की वृद्धि से नवीन फ्लोरीन के EBITDA में 77 करोड़ रुपये जुड़ सकते हैं।

दोनों शेयरों ने कितना दिया है रिटर्न

SRF के शेयरों में पिछले काफी समय से सुस्ती देखी जा रही थी। इसने बीते 6 महीने में सिर्फ 11.81 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि, पांच साल में इसने 282.62 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। वहीं, नवीन फ्लोरीन ने पिछले 6 महीने में करीब 5 फीसदी का रिटर्न दिया है।

भारत में 3 अरब डॉलर का निवेश करेगी माइक्रोसॉफ्ट, 1 करोड़ लोगों को देगी एआई ट्रेनिंग

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट भारत में अपनी क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताओं का विस्तार करने के लिए दो साल में तीन अरब डॉलर (लगभग 25,700 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला का कहना है कि अमेरिकी टेक कंपनी 2030 तक भारत में एक करोड़ लोगों को एआई में ट्रेनिंग भी देगी।

नडेला ने कहा कि प्रस्तावित तीन अरब डॉलर का निवेश कंपनी की तरफ से किया जाने वाला अब तक सबसे बड़ा निवेश होगा। नडेला ने अपने भारत दौरे के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की है।

माइक्रोसॉफ्ट का क्या है प्लान

माइक्रोसॉफ्ट अपनी क्लाउड कंप्यूटिंग सर्विसेज एज्योर के तहत उपलब्ध कराता है। कंपनी के पास 60 से अधिक एज्योर क्षेत्र हैं, जिनमें 300 से अधिक डेटा सेंटर शामिल हैं। नडेला आखिरी बार फरवरी, 2024 में भारत आए थे और तब उन्होंने कहा था कि कंपनी 2025 तक देश में 20 लाख लोगों को एआई स्किल का अवसर प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य मुख्य तौर पर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने पर था।

नडेला ने कहा, 'भारत एआई इनोवेशन में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे देशभर में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। आज हम बुनियादी ढांचे और कौशल में निवेश का एलान कर रहे हैं, जो भारत को एआई-फर्स्ट बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि कि देशभर में लोगों और संगठनों को व्यापक रूप से इसका लाभ मिले।'

भारत पर माइक्रोसॉफ्ट का खास फोकस

माइक्रोसॉफ्ट का एडवांटेज इंडिया प्रोग्राम अब 2030 तक 2 करोड़ भारतीयों को एआई स्किल में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित कर चुका है। इस पहल के तहत माइक्रोसॉफ्ट ने 24 लाख भारतीयों को ट्रेनिंग दी है। इनमें से 65 प्रतिशत महिलाएं और 74 प्रतिशत लोग छोटे शहरों से थे। यह पहल भारत के युवाओं को एआई के क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च लैब्स (MSR) ने एआई इनोवेशन नेटवर्क की शुरुआत की है। इसका मकसद भारत के एआई इकोसिस्टम को रफ्तार देना है। इस नेटवर्क के जरिए रिसर्च के बाद व्यावहारिक और उपयोगी बिजनेस सॉल्यूशंस को डेवलेप किया जाएगा। साथ ही, माइक्रोसॉफ्ट और सासबूमी ने मिलकर भारतीय एआई और सास (सॉफ्टवेयर ऐज ए सर्विस) इकोसिस्टम को एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है।

बदहाल हैं छोटे कर्ज देने वाली माइक्रो फाइनेंस कंपनियां, क्या बजट में मिलेगी राहत?

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार यह मानती है कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग को वित्तीय राहत पहुंचाने के लिए MFI का होना जरूरी है। हाल ही में आरबीआई की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि MFI की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। ऐसे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण MFI को राहत पहुंचाने के लिए बजट में कुछ अहम फैसले ले सकती हैं।

नई दिल्ली। इस बात की पूरी उम्मीद है कि आगामी बजट में माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस (MFI) की सुनी जाएगी। ऐसा नहीं होता तो जब बजट को लेकर विभिन्न उद्योग वर्गों से विमर्श खत्म हो चुका है तब वित्त मंत्रालय ने MFI को अलग से बैठक के लिए बुलाया गया है। इस बात के संकेत है कि एमएफआई के प्रसार को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार की तरफ से एक विशेष फंड बनाने की घोषणा की जा सकती है। खास तौर पर छोटे व मझोले MFI को इस विशेष फंड से फायदा पहुंचाने की कोशिश होगी।

सरकार यह मानती है कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग को वित्तीय राहत पहुंचाने के लिए MFI का होना जरूरी है। हाल ही में आरबीआई की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि MFI की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। अप्रैल, 2024 के मुकाबले सितंबर, 2024 में MFI से कर्ज वूसली में होने वाली दिक्कतें दोगुनी बढ़ गई हैं जो बता रहा है कि MFI से जो लोग कर्ज लेते हैं उनकी वित्तीय स्थिति तनावपूर्ण है।

किन लोगों को कर्ज देते हैं MFI

MFI उन लोगों को बैंकिंग सेवा देते हैं जिनको आसानी से बैंकों व एनबीएफसी से कर्ज नहीं मिल पाता। यह कर्ज की राशि कम होती है लेकिन ब्याज की दर 22-30 फीसद के बीच होती है। वर्ष 2023-24 में इनकी तरफ से वितरित कर्ज में 24.5 फीसद की वृद्धि हो कर 4.3 लाख करोड़ रुपये हो गई। लेकिन चालू वित्त वर्ष में इनकी तरफ से वितरित कर्ज की राशि में सिर्फ चार फीसद की वृद्धि होने की बात कही जा रही है।

कर्ज की रफ्तार कम होने से इस सेक्टर पर काफी दबाव है। इसके पीछे कई वजहें हैं। एक वजह तो आरबीआई के नये नियम हैं जिसमें एक व्यक्ति कितने MFI से कर्ज ले सकता है। आरबीआई ने स्वयं अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है कि MFI के तहत जो खाते चलाते जा रहे हैं उनमें कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। पिछले चार वर्षों में चार या इससे ज्यादा MFI से कर्ज वालों का हिस्सा कुल MFI खाते में 3.6 फीसद से बढ़ कर 5.8 फीसद हो गया है।

MFI को किस तरह की राहत मिलेगी?

वैसे कई मुद्दे हैं जिस पर MFI को उम्मीद है कि वित्त मंत्री आगामी बजट में दो टूक फैसला करेंगी। इसमें एक मुद्दा है MFI के तहत कर्ज लेने के लिए अधिकतम वार्षिक आय की सीमा को बढ़ाना। यह सीमा अभी तीन लाख रुपये है और MFIकी तरफ से कहा जा रहा है कि इसे कम से कम पांच लाख रुपये कर देना चाहिए।

इस बारे में वित्त मंत्रालय को एक मेमोरेंडम भेजा गया है। वित्त मंत्री से सकारात्मक कदम की इसलिए भी उम्मीद है कि एमएफआइ ग्रामीण मांग को बढ़ाने के साथ ही रोजगार के अवसर देने में भी अहम भूमिका निभाती हैं।

बजट के बाद फिर सस्ता होगा सोना? ज्वेलरी इंडस्ट्री कर रही ये खास डिमांड

परिवहन विशेष न्यूज

बजट 2025 में सोने की कीमत पिछले साल बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोने पर कस्टम ड्यूटी घटा दी थी। इससे सोना 6 हजार रुपये तक सस्ता हो गया था। इस बार भी ज्वेलरी इंडस्ट्री वित्त मंत्री से गोल्ड पर जीएसटी घटाने की मांग कर रही है। इससे बजट के बाद सोना एक बार फिर से सस्ता हो सकता है। आइए जानते हैं कि पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। पिछले बजट के बाद सोना और चांदी काफी ज्यादा सस्ता हो गया था, क्योंकि वित्त मंत्री ने कस्टम ड्यूटी घटा दी थी। इस बार भी ज्वेलरी इंडस्ट्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से गोल्ड पर जीएसटी घटाने की गुहार लगा रही है। अगर सरकार उनके सुझाव को मानती है, तो इस बार भी बजट के बाद गोल्ड सस्ता हो सकता है।

गोल्ड पर कितना जीएसटी लगता है?

सोने पर जीएसटी की मौजूदा दर 3 फीसदी है। इसका मतलब है कि अगर आप 10,000 रुपये का सोना खरीद रहे हैं, तो उस पर 300 रुपये जीएसटी देनी होगी। जेम्स और ज्वेलरी इंडस्ट्री बजट 2025 में सोने पर गुड्स और सर्विसेज टैक्स (GST) की दर घटाने की मांग कर रही है। इंडस्ट्री का कहना है कि मौजूदा 3 फीसदी GST काफी बड़ा बोझ है, जिसका प्रतिस्पर्धा पर बुरा असर पड़ता है। इससे रोजगार का अवसर भी कम होता है।

GST कितना करने की हो रही डिमांड

ज्वेलरी इंडस्ट्री आगामी बजट में गोल्ड पर जीएसटी रेट को 3 फीसदी से घटाकर 1 फीसदी करने की डिमांड कर रही है। उसका कहना है कि इससे इंडस्ट्री और ग्राहकों को काफी राहत मिलेगी। इंडस्ट्री की दलील है कि सोने का भाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में उस अधिक जीएसटी होना इंडस्ट्री के साथ ग्राहकों पर भी बड़ा बोझ है। इससे गोल्ड की खरीद और बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

GST कम होने से क्या फायदा मिलेगा?

अगर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट 2025-26 में गोल्ड पर जीएसटी घटाती हैं, तो इससे जेवरात के दाम में कमी आएगी। इंडस्ट्री को उम्मीद है कि इस खासकर ग्रामीण इलाकों में सोने की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा। इंडस्ट्री लैब-ग्रोन डायमंड्स के लिए रियायती GST दर लागू करने की गुहार लगा रही है। अभी कुदरती और लैब-ग्रोन डायमंड्स दोनों पर समान GST दर लागू है।

क्या फिर से कस्टम ड्यूटी घटाएगी सरकार?

एक्सपर्ट का मानना है कि इस बार बजट में कस्टम ड्यूटी घटाने की गुंजाइश न के बराबर है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटीज के हेड हरीश वी का कहना है, 'सरकार पिछले बजट में इंपोर्ट ड्यूटी को 15 से घटाकर 6 कर चुकी है। इसलिए इस बार मौजूदा ड्यूटी स्ट्रक्चर में बदलाव की काफी कम गुंजाइश है। सरकार सोने के बढ़ते आयात को कम करने के लिए देश के भीतर स्क्रैप गोल्ड की रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देने की शुरुआत कर सकती है।'

बजट 2025 से गोल्ड इंडस्ट्री की उम्मीदें

ज्वेलरी इंडस्ट्री को उम्मीद है कि बजट 2025 में नीति निरंतरता जारी रहेगी, जिसका इंडस्ट्री को फायदा होगा। मालाबार ग्रुप के चेयरमैन MP Ahammed का कहना है कि कीमती आभूषणों की मांग को बढ़ावा देने के लिए बजट में डिस्पोजेबल इनकम और खपत को बढ़ावा देने वाली नीतियों की जरूरत है। बजट में लोगों के लिए सोने के मुद्रीकरण योजना को और अधिक आकर्षक बनाने के उपाय भी काफी बेहतर पहल हो सकती है। इससे घरों में पड़ा सोना मार्केट में आएगा। यह सोने के आयात को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा, जिससे सरकारी खजाने को भी फायदा होगा।'

बजट के बाद कितना सस्ता हुआ सोना था?

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल 23 जुलाई को बजट पेश किया था। इसमें उन्होंने गोल्ड पर कस्टम ड्यूटी 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी करने का एलान किया था। इससे 15 दिन के भीतर ही सोना 6000 रुपये प्रति 10 तक सस्ता हो गया था। उस दौरान सोने की डिमांड में काफी तेज उछाल आया था। इंडस्ट्री को उम्मीद है कि अगर इस बार भी बजट में जीएसटी कटौती के रूप में राहत दी जाती है, तो गहनों की खरीद में भारी उछाल आ सकता है।

रेस्टोरेंट में बचा खाना बांटेगी स्विगी, खाने की बर्बादी रोकने में मिलेगी मदद

परिवहन विशेष न्यूज

स्विगी सर्व्स स्विगी ने अपने रेस्टोरेंट पार्टनर के बचे खाने को जरूरतमंदों में बांटने की पहल शुरू की है। इसका नाम स्विगी सर्व्स रखा है। स्विगी ने इस पहल के लिए स्वयंसेवी संगठन रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) के साथ भागीदारी की है। स्विगी का कहना है कि इससे खाने की बर्बादी को रोकने में मदद मिलेगी। आइए जानते हैं पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी एग्रीगेटर स्विगी ने गुरुवार 'स्विगी सर्व्स' पहल की शुरुआत की। इसका मकसद खाद्य पदार्थों की बर्बादी को कम करना और भूख (Hunger) की समस्या से लड़ना है। इस प्रोग्राम के तहत स्विगी अपने रेस्टोरेंट पार्टनर से बचा खाना लेगी और उसे जरूरतमंदों में बांटेगी। स्विगी ने इस पहल के लिए स्वयंसेवी संचालित संगठन रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) के साथ भागीदारी की है।

रॉबिन हुड आर्मी एक स्वयंसेवी संगठन है। इससे हजारों युवा पेशेवर, सेवानिवृत्त लोग, गृहिणियां और कॉलेज के छात्र जुड़े हैं। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के सीईओ रोहित कपूर ने नई पहल की जानकारी देते हुए कहा, ₹फिलहाल स्विगी सर्व्स योजना 33 शहरों में चल रही है। हम इस पहल को और अधिक शहरों में ले जाने की योजना बना रहे हैं। इसका मकसद है कि कोई भी खाना बर्बाद न हो।₹

भारत में कुपोषण गंभीर समस्या

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत में लगभग 19.5 करोड़ कुपोषित लोग हैं। यह दुनिया की कुपोषित आबादी का एक-चौथाई है। 2024 में भारत का ग्लोबल हंगर इंडेक्स (GHI) स्कोर 27.3 था। इसमें भूख को एक गंभीर समस्या बताया गया था। साथ ही, 2024 GHI में भारत 127 देशों में से 105वें स्थान पर था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत हर साल प्रति व्यक्ति 55 किलोग्राम भोजन बर्बाद करता है।

यही वजह है कि स्विगी सर्व्स को काफी सार्थक पहल माना जा रहा है। बिक्गाने बिरयानी, बिरयानी बाय द किलो, दाना चोगा, वर्धास, चारकोल ईट्स - बिरयानी एंड बियॉन्ड, डब्बा गरम, हाउस ऑफ बिरयानी, बी.टेक मोमोज वाला, समोसा सिंह, बाबई टिफिन्स, डोसा अन्ना, अर्बन तंदूर जैसे ब्रांडों ने स्विगी सर्व्स-आरएचए पहल का हिस्सा बनने के लिए हस्ताक्षर किए हैं।

जल्द आएगा स्विगी इंस्टामार्ट का अलग ऐप

भारत में क्विक कॉमर्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। फूड डिलीवरी एग्रीगेटर स्विगी का इंस्टामार्ट इस सेगमेंट की टॉप कंपनियों में शुमार है। हालांकि, इसकी सुविधा अभी भी स्विगी के मेन ऐप में ही मिलती है। लेकिन, जल्द ही स्विगी इंस्टामार्ट का अपना ऐप होगा। कंपनी इसके लिए पूरी तैयारी कर रही है।

स्विगी इंस्टामार्ट का कहना है कि अलग ऐप आने से उसके लाखों ग्राहकों खरीदारी का और भी ज्यादा बेहतर अनुभव मिलेगा। स्विगी इंस्टामार्ट फिलहाल देश के 76 शहरों में सर्विस देता है। कंपनी अपनी विस्तार योजना पर भी लगातार काम कर रही है।

'बेटियों की पढ़ाई का खर्च उठाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी', सुप्रीम कोर्ट बोला- इस खर्च से आप भाग नहीं सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है। बेटी की पढ़ाई का पूरा खर्च माता-पिता को ही उठाना चाहिए। पीठ ने 2 जनवरी को पारित आदेश में कहा कि बेटी होने के नाते उसे अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च प्राप्त करने का कानूनी अधिकार है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेटियों का अपने माता-पिता से शैक्षणिक खर्च लेना उनका वैध और अपराजेय अधिकार है। शिक्षा ग्रहण करने के अपने इन जरूरी खर्चों को उठाने के लिए उनके माता-पिता पर कानूनी बाध्यता है।

43 लाख रुपये लेने से इनकार

जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुईयां की खंडपीठ एक तलाक के मामले की सुनवाई कर ही थी जिसमें अलग रह रहे दंपती की बेटी आयरलैंड में पढ़ रही है और उसने अपनी पढ़ाई के खर्च के लिए अपने पिता से मिले 43 लाख रुपये को लेने से मना कर दिया है।

इस वजह से नहीं लिए पैसे

यह रकम लड़की की मां को मिलने वाले कुल गुजारे भत्ते का एक बड़ा हिस्सा है।

अलग हो रहे दंपती की बेटी का कहना है कि वह अपनी गरिमा की खातिर इस रकम को लेने से इनकार कर रही है।

उसने अपने पिता को यह 43 लाख रुपये वापस लेने को कहा है लेकिन उसके पिता ने उसे वापस लेने से इन्कार कर दिया है।

शिक्षा मौलिक अधिकार

लिहाजा, खंडपीठ ने अपने दो जनवरी के आदेश में कहा कि बेटी होने के नाते उन्हें अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च लेने का पूरा अपरिहार्य कानूनी अधिकार है। हमने गौर किया है कि बेटी को अपनी शिक्षा सुनिश्चित करने का मौलिक अधिकार है। इसके लिए माता-पिता या अभिभावक को अपने वित्तीय संसाधन के दायरे में बेटी को जरूरी धन मुहैया कराने की बाध्यता है।

गुजारे भत्ते के साथ में बेटी की शिक्षा का खर्च

अदालत ने कहा कि इस मामले में बेटी को यह धन लेना का पूरा वैध अधिकार है। बताया जाता है कि पिछले 26 सालों से अलग रह रहे पिता ने गुजारे भत्ते के साथ में बेटी की शिक्षा का खर्च बिना किसी दबाव के वहन किया है। उनका कहना था कि वह अपनी बेटी की शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए वह आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

सहायता राशि लेने का अधिकार

अदालत ने कहा कि इस मुकदमे में प्रतिवादी नंबर-2 (बेटी) को इस सहायता राशि को अपने पास बनाए रखना उसका अधिकार है। अगर उसे यह धनराशि नहीं चाहिए तो वह इसे अपील कर्ता (मां) या फिर प्रतिवादी नंबर-1 (पिता) को वापस लौटा सकती है। या फिर बेटी को उसके लिए पात्र समझना चाहिए।

क्या है पूरा मामला

खंडपीठ ने बताया कि अलग हुए दंपती ने 28 नवंबर, 2024 को इस मामले में समझौता कर लिया जिस पर उनकी बेटी ने भी दस्तखत किए। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि आपसी सहमति से तलाक लेने वाले पति ने गुजारे भत्ते के रूप में पत्नी और उनकी बेटी को कुल 73 लाख रुपये का गुजारा भत्ता दिया जिसमें से 43 लाख रुपये बेटी को उसकी पढ़ाई के खर्च के लिए दिए गए। 30 लाख रुपये उनकी पत्नी को मिले।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से निवेश की अपील की: ओडिशा व्यापार के लिए सही जगह है

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : 18वां प्रवासी भारतीय दिवस भुवनेश्वर के जनता मैदान में चल रहा है। प्रवासी भारतीय सम्मेलन का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री मोहन माझी ने प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया तथा प्रवासी समुदाय को समर्पित अपना भाषण दिया।मुख्यमंत्री मोहन माझी ने अपना भाषण जय जगन्नाथ से शुरू किया। मोहन माझी ने ओडिशा में सभी प्रवासी भारतीयों का स्वागत किया और माननीय प्रधान मंत्री का भी स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने पंजीकरण पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से निवेश करने की अपील की। ओडिशा की विकास यात्रा में शामिल हों। ओडिशा व्यापार के लिए आदर्श स्थान है। राज्य सरकार हर समय सहयोग करेगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ओडिशा आगे बढ़ रहा है। भुरपुर, ओडिशा, प्राकृतिक सौंदर्य का स्थान। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने कहा कि इससे आपको निवेश में काफी मदद मिलेगी।

कितना सही है राष्ट्रगान पर विवाद खड़ा करना

प्रियंका सौरभ

तमिलनाडु राज्यपाल आर.एन. रवि के तमिलनाडु विधानसभा से अपना पारंपरिक सम्बोधन दिए बिना चले गए। राज्यपाल का प्रस्थान उनके निर्धारित सम्बोधन से पहले राष्ट्रगान नहीं बजाए जाने के विरोध में था, जिसे वे आवश्यक मानते थे। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने विधानसभा में साल के पहले सत्र का उद्घाटन भाषण दिए बिना ही सदन से वॉकआउट कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके भाषण से पहले राष्ट्रगान नहीं बजाया गया। पिछले साल भी उन्होंने अपना अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया था। तमिलनाडु विधानसभा में राज्य गान सबसे पहले होता है। सत्र की शुरुआत राज्य गान, तमिल थाई वाझथु और अंत में राष्ट्रगान बजाने से होती है। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद राष्ट्रगान बजाया जाता है। यह प्रथा जुलाई 1991 से चली आ रही है, जिसे जयललिता के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान शुरू किया गया था। इससे पहले, राज्यपाल बिना किसी राष्ट्रगान के अपना अभिभाषण देते थे। राज्यपाल आर.एन. रवि ने अपना अभिभाषण दिए बिना विधानसभा से यह कहते हुए वॉकआउट कर दिया कि उनके आगमन पर केवल राज्य गान बजाया गया था, राष्ट्रगान नहीं। उन्होंने कहा कि यह संविधान और राष्ट्रगान दोनों का अपमान है। नागालैंड में दशकों तक विधानसभा में राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था और फरवरी २०२१ में आर.एन. रवि के राज्यपाल के रूप में कार्यकाल के दौरान ही इसे पेश किया गया था। त्रिपुरा में विधानसभा में पहली बार मार्च २०१८ में राष्ट्रगान बजाया गया था। अन्य राज्यों की विधानसभाएँ राष्ट्रगान बजाने के लिए सख्त प्रोटोकॉल का पालन नहीं करती हैं। राष्ट्रगान का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य बताया गया है। हालांकि, यह विशिष्ट अवसरों पर इसे गाना या बजाना अनिवार्य नहीं बनाता है।

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान राष्ट्रगान तब बजाया जाता है जब राष्ट्रपति मंच पर पहुँचते हैं। अभिभाषण के दौरानराष्ट्रपति मुद्रित अभिभाषण पढ़ते हैं, इसके बाद यदि आवश्यक हो तो दूसरा संस्करण पढ़ते हैं, जिसे राज्यसभा के सभापति पढ़ते हैं। अभिभाषण के बादराष्ट्रपति के हॉल से जाने से पहले फिर से राष्ट्रगान बजाया जाता है। भारत का संविधान राष्ट्रगान के सम्मान के बारे में मौलिक कर्तव्यों के तहत अनुच्छेद 51 (ए) (ए) प्रत्येक नागरिक को संविधान का पालन करने और राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने का आदेश देता है। गृह मंत्रालय के आदेश उन अवसरों को निर्दिष्ट करते हैं जब राष्ट्रगान बजाया जाना चाहिए, जैसे कि नागरिक और सैन्य अलंकरण, परेड, राष्ट्रपति या राज्यपाल के आगमन / प्रस्थान और औपचारिक राज्य समारोहों के दौरान राष्ट्रगान बजाने के बारे में निर्दिष्ट किया गया है? विशेष अवसरों पर राष्ट्रगान को पूरा बजाया जाना चाहिए। नागरिक और सैन्य निवेश के दौरान। जब राष्ट्रपति या राज्यपाल को राष्ट्रीय सलामी दी जाती है। परेड के दौरान, राष्ट्रीय ध्वज फहराने या रेजिमेंटल रंग प्रस्तुतियों के दौरान। राष्ट्रपति के औपचारिक राज्य समारोहों से आने या जाने पर। ऑल इंडिया रेडियो पर राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति के सम्बोधन से पहले और बाद में। न्यायालयों ने देखा है कि राष्ट्रगान सम्मान का हकदार है, लेकिन सभी अवसरों पर इसका गाना या बजाना अनिवार्य नहीं है जब तक कि स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट न किया जाए। उदाहरण के लिए, सिनेमा स्क्रीनिंग के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने फ़ैसला सुनाया कि राष्ट्रगान बजाना अनिवार्य नहीं है, बल्कि इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत राष्ट्रगान का जानबूझकर अपमान या अवमानना करने पर ३ साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। राष्ट्रगान न बजाने या न गाने पर तब तक सज़ा नहीं मिलती जब तक कि यह जानबूझकर किया गया अनादर न हो। २०१९ में, मद्रास उच्च न्यायालय ने एक आधिकारिक समारोह में राष्ट्रगान न बजाने के लिए सज़ा की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सभी अवसरों पर इसे गाने या बजाने को लागू करने के लिए कानूनी जनादेश की कमी का हवाला दिया गया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने जैसे अवसरों पर सामूहिक गायन की आवश्यकता होती है। जैसे कोई सांस्कृतिक या औपचारिक समारोह (परेड के अलावा)। सरकारी या सार्वजनिक समारोहों में राष्ट्रपति का आगमन और प्रस्थान। आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रगान बजाना अनिवार्य नहीं है? उदाहरण के लिए, २०१९ में मदुरै में आयोजित एक समारोह के दौरान जिसमें प्रधानमंत्री, तमिलनाडु के राज्यपाल और मुख्यमंत्री शामिल हुए थे, राष्ट्रगान नहीं बजाया गया था। राष्ट्रगान नहीं बजाने पर सज़ा की मांग करने वाली याचिका को मद्रास उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रगान का उपयोग प्रथागत है और कानून द्वारा अनिवार्य नहीं है। महत्वपूर्ण सरकारी आयोजनों में राष्ट्रगान बजाने से नागरिकों में सामूहिक पहचान, एकता और देशभक्ति की भावना प्रबल होती है। यह क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक मतभेदों से परे साझा राष्ट्रीय मूल्यों और आकांक्षाओं की प्रतीकात्मक याद दिलाता है। राष्ट्रगान को अनिवार्य बनाना संविधान के अनुच्छेद 51 (ए) (ए) के अनुरूप है, जो प्रत्येक नागरिक के राष्ट्रगान का सम्मान करने के मौलिक कर्तव्य को सुनिश्चित करता है। प्रमुख आयोजनों में इसका समावेश राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने और सार्वजनिक जीवन में सम्मान और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करता है। सरकार को भ्रम से बचने और राज्यों और संस्थानों में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए आधिकारिक आयोजनों में राष्ट्रगान बजाने के लिए स्पष्ट और सुसंगत दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। जागरूकता और सम्मान को बढ़ावा दें, एक एकीकृत प्रतीक के रूप में राष्ट्रगान के महत्व पर ज़ोर देते हुए जागरूकता अभियान चलाएँ, बिना किसी बाध्यता या विवाद के स्वैच्छिक सम्मान और भागीदारी को बढ़ावा दें।

नये वर्ष में कीर्तिमान रचेगा हमारा इसरो !

वर्ष 2025 का आगमन हो चुका है। नया साल भारत के लिए अंतरिक्ष के क्षेत्र में बहुत ही शानदार उपलब्धियों व कीर्तिमान स्थापित करने वाला होने वाला है। मीडिया के हवाले से खबरें आ रहीं हैं इस वर्ष यानी कि 2025 में इसरो चार जीएसएलवी, तीन पीएसएलवी और एक एसएसएलवी रॉकेट लॉन्च करेगा। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि स्पेस मिनिस्टर श्री जितेंद्र सिंह ने इसरो की उपलब्धियों पर जोर देते हुए कुछ समय पहले यह कहा था कि एक समय अमेरिका चंद्रमा मिशन में व्यस्त था और आज इसरो अमेरिकी उपग्रहों को लॉन्च कर रहा है। उन्होंने कहा था कि 'यह वर्ष यानी कि 2025, न केवल इसरो की तकनीकी प्रगति का गवाह बनेगा, बल्कि भारत की अंतरिक्ष शक्ति को वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त करेगा।' जानकारी के अनुसार 'नए साल (2025) के पहले छह महीनों में छह बड़े मिशन लॉन्च होंगे।' पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि इसरो वर्ष 2024 के अंत में अपने स्पैडेक्स मिशन को लांच कर चुका है और यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि अब जनवरी-2025 में इसरो अपने 100 वें मिशन को लांच करने जा रहा है। इस मिशन को जीएसएलवी एफ-15/एनवीएस-02 नाम दिया गया है। यह सेकंड जनरेशन का सैटेलाइट होगा, हालांकि, इसे जनवरी में कब लॉन्च किया जाएगा, इसकी आधिकारिक तारीख अभी जारी नहीं की गई है। सौंवा मिशन जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल यानी जीएसएलवी एमके-II रॉकेट के जरिए भेजा जाएगा। इस मिशन का उद्देश्य भारतीय उपग्रह नेविगेशन का विस्तार करना है। नेविगेशन पेलोड के जरिए ही धरती पर यूजर्स तक सिग्नल्स पहुंचाए जाते हैं। ऐसा तीन बैंड एल-1, एल-5 और S के स्पेक्ट्रम के जरिए होता है।मिशन के जरिए भेजा जाने वाला नेविगेशन सैटेलाइट(एनपीएस)भारतीय जीपीएस नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन का हिस्सा रहेगा। इस मिशन से फायदा यह होगा कि इससे आर्मी की लोकेशन के साथ जमीन, हवा और पानी में नजर रखी जा सकेगी। इससे एक ओर जहां खेती-किसानी में मदद मिलेगी वहीं पर दूसरी ओर इससे इमरजेंसी सर्विस भी बेहतर हो सकेगी। मोबाइल में लोकेशन से जुड़ी सर्विसेस को भी इससे बेहतर बनाया जा सकेगा। इतना ही नहीं, इससे फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, पावर ग्रिड और सरकारी एजेंसी को टाइमिंग सर्विस उपलब्ध कराई जा सकेगी तथा साथ ही साथ इससे इंटरनेट बेस्ड ऐप और अधिक बेहतर हो सकेंगी। बहरहाल, उल्लेखनीय है कि इस साल यानी कि 2025 में इसरो द्वारा निसार, महिला रोबोट 'व्योममित्र'(महिला ह्यूमनॉइड व्योममित्र), गगनयान सहित अन्य मिशन लॉन्च होंगे। उल्लेखनीय है कि 'व्योममित्र' मिशन गगनयान के मानव मिशन(व्योम मित्र रोबोट) की तैयारी का एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, 'व्योम मित्र' मिशन फाइनल मानव मिशन जैसा ही होगा, बस इसमें इंसान नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि गगनयान के पहले मानवरहित मिशन को भी नए साल की पहली तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है। जानकारी मिलती है कि नासा- इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) सैटेलाइट लॉन्च कर सकता है, जो कि अपनी तरह का सबसे महंगा सैटेलाइट है,जिसकी अनुमानित लागत 12,505 करोड़ बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह भारत-अमेरिका द्वारा विकसित मिशन है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी की सतह और बर्फ की निगरानी करेगा, जिसमें उच्च रेजोल्यूशन की क्षमताएं होंगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि, इसरो का गगनयान मिशन एक दमदार मिशन होगा। इस संबंध में जानकारी मिलती है कि मानव युक्त अंतरिक्ष उड़ान गगनयान 2025 के अंत तक या 2026 की शुरुआत में होगा। उल्लेखनीय है कि इसरो ने मार्च से पहले गगनयान मिशन के लिए 'क्रू एस्केप सिस्टम' का परीक्षण करने की भी योजना बनाई है। इतना ही नहीं,एक अमेरिकी कस्टमर के लिए मोबाइल कम्युनिकेशन सैटेलाइट का कमर्शियल लॉन्च भी जल्द ही होने वाला है। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय मंत्री ने बताया था कि 'पहली तिमाही में एक अंतरराष्ट्रीय कस्टमर के लिए एलवीएम3-एम-5 मिशन निर्धारित है। फरवरी या मार्च तक अमेरिका के लिए डायरेक्ट मोबाइल कम्युनिकेशन के लिए एक उपग्रह भी लॉन्च किया जा रहा है।' यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इसरो द्वारा की अन्य महत्वपूर्ण मिशन भी अभी पाइपलाइन में हैं। निश्चित ही ये सारे मिशन भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को और अधिक मजबूत करेंगे। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसरो न सिर्फ देश के लिए बल्कि दुनियाभर के लिए स्पेस साइंस में योगदान दे रहा है। अंत में, यही कहूंगा कि इस साल जहां एक ओर एनवीएस-02 हमारे देश के नेविगेशन सिस्टम को बेहतर बनाएगा, वहीं दूसरी ओर 'निसार'(भारत-अमेरिका द्वारा विकसित) पृथ्वी की निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गौरतलब है कि भारत का व्योममित्र मिशन गगनयान के लिए रास्ता तैयार करेगा, जो भारत के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवान्वित करने वाली उपलब्धि होगी। इसी बीच, हाल ही में केंद्र सरकार ने वी नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का नया अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग का सचिव नियुक्त किया है और वे 14 जनवरी 2025 को इसरो के वर्तमान प्रमुख एस सोमनाथ से पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि अब इसरो को एक नया चेहरा मिलने जा रहा है, जो कि इसरो में काफी बड़ा नाम है। जानकारी के अनुसार वे 1984 में इसरो में शामिल हुए थे तथा उन्होंने करीब चार दशकों तक अंतरिक्ष संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। आपकी विशेषज्ञता रॉकेट और अंतरिक्ष यान प्रोपल्शन में है। उल्लेखनीय है कि डॉ. नारायणन का आदित्य अंतरिक्ष यान और जीएसएलवी एमके-III मिशन, चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 के प्रणोदन प्रणालियों में भी योगदान रहा है। कहना चाहूंगा कि निश्चित ही डॉ. वी. नारायणन के सानिध्य और अनुभवों के चलते इसरो इस साल में निश्चित ही और अधिक ऊंचाइयों को छूएगा और भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक विश्व शक्ति बनकर उभरेगा।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

ओडिशा के निवासी विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा करेंगे, देश भर के विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए बसें चलेंगी: परिवहन मंत्री

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: परिवहन मंत्री विभूति भूषण जेना ने डबल डेकर बसों को लेकर बड़ी घोषणा की। सिर्फ महाकुंभ ही नहीं, देशभर के विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए भी बसें चलेंगी। परिवहन मंत्री ने ओडिशा से विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए बसें चलाने की जानकारी दी है।महाकुंभ मेले के लिए वर्तमान में चार स्थानों से बसें चलाने की योजना पर काम चल रहा है।बसें भुवनेश्वर, ब्रह्मपुर, भवानीपटना, संबलपुर से चलेंगी।

परिवहन मंत्री ने कहा कि अन्य तीर्थ स्थलों के लिए भी बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। कुंभ मेले के लिए बस सेवा के संबंध में कल घोषणा की गई - कुंभ मेले के लिए ओडिशा से अयोध्या तक बस सेवा। उच्च स्तरीय प्रीमियम बसें चार समर्पित मार्गों पर चलेंगी। बसें पुरी, संबलपुर, भवानीपटना और ब्रह्मपुर से रवाना होंगी। यह बस 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी और इसकी अग्रिम टिकट बुकिंग ओएसआरटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। बस टिकट मोबाइल ऐप और टिकट काउंटरों से भी खरीदे जा सकते हैं। यात्रियों की सहायता के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन प्रणाली होगी।

टाटा स्टील कोक की बेट्री -7 बंद के कगार पर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। टाटा नगर ,सन 1907 से आरंभ टाटा कंपनी सिंहभूम की शान रही है । कभी धालभूम राजा से जमीन , सरायकेला राजा से मजदूर तो मयूरभंज के गोरूमहिषाणी लौह अयस्क खदान को लेकर कंपनी अधिष्ठापन व भट्टी जलना आरंभ हुआ पर इसने स्थानीय लोगों को देश आजादी के बाद आते आते दरकिनार करना आरंभ किया ।जिसका लेखा जोखा देखा जाय तो स्थानीय मूलवासी सदैव ठगे गये है ।अब एक यूनिट टाटा स्टील की कोक की बैटरी -7 बंद के कागार पर पहुंच चुकी है ।

टाटा स्टील के कोक प्लांट स्थित बैटरी नंबर-7 को बंद करने का मामला टाटा वर्कर्स यूनियन पहुंच गया है. सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को विभागीय चीफ अभिजीत राय ने विभागीय कमेटी मेंबर शशिभूषण पिंगुआ, संजय कुमार पांडेय, आरसी झा तथा दीपराज रजक को बुलाया. चीफ ने कमेटी मेंबरों को बता दिया कि बैटरी-7 का अंतिम परिचालन 27 जनवरी तक होगा.

यह बैटरी 28 जनवरी से बंद हो जाएगी. चीफ से बैटरी बंद होने की जानकारी मिलने के बाद चारों कमेटी मेंबर टाटा वर्कर्स यूनियन पहुंचे. वे लोग यूनियन अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी से मिले. अध्यक्ष ने चारों से वीआइपी रुम में बात की. चारों कमेटी मेंबरों ने अध्यक्ष को चीफ से मिले फरमान के बारे में पूरी जानकारी दी.

अध्यक्ष ने इस बाबत पूछने पर कहा कि चारों कमेटी मेंबर उनसे मिलने आये थे तथा इसकी जानकारी दी है. उल्लेखनीय है कि टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने पिछले दिनों बैटरी-7 का निरीक्षण किया था. यह 36 साल पुरानी बैटरी में 100 स्थायी कर्मचारी तथा करीब 150 ठेकाकर्मी काम करते हैं. इस बैटरी के बंद होने के बाद यहां के कर्मचारी अपनी अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं. हालांकि इसके पहले बैटरी-5 तथा 6 बंद किए जा चुके हैं।

रिश्तों में सुधार के लिए बेहतर समाधान।

हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

हाल ही में मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने 'कुटुंब प्रबोधन' में समाज को जागरूक करने हेतु कहा कि रिश्तों में सुधार के लिए घर पर मोबाइल हेतु 'पार्किंग बाक्स' होना चाहिए। बिल्कुल सही कहा है कि मोबाइल की प्रयोगता समय अनुसार जरूरी है, पर घर- परिवार में इसे निषेध रखा जाए तो अच्छा होगा। वास्तव में परिवार के बीच मोबाइल एक प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा है, कि जब हम अपने घर- परिवार के बीच में रहें तो आपस में मिलकर क़रीब रहकर संवाद- बातचीत का रास्ता खोलें तो अच्छा होगा, पर आजकल सब अपने-अपने मोबाइल में सिमट के रह जाते हैं। परिवारजन आपस में भोजन करते समय भी मोबाइल में ही लगे रहते हैं। ऐसे में मोबाइल के लिए हर घर में बॉक्स होना चाहिए। संवाद व आंनद के लिए यह सही विकल्प है। खुशियों को दुनियाभर में तलाशते हुए हम जब अपने परिवार के बीच खुश नहीं हैं, तो इस मोबाइल में क्या सकारात्मक ऊर्जा मिल सकेगी? इस समय हम इंसानों को विचार विमर्श समय अनुसार अपने घर- परिवार के बीच करना अच्छा संकेत है और मोबाइल के लिए भी एक बाक्स होना ही चाहिए, तभी खुशियां बनी रहेंगी। परिवार को सशक्त व जीवन खुशहाल बनाने के लिए कुछ त्याग भी जरूरी है। मोबाइल के दूषित-नकारात्मक परिवहन के प्रति अब जागिए, नहीं तो रिश्तों के साथ आपका स्नेह, वात्सल्य व सौहार्द सब-कुछ धरातल में चला जाएगा। यह समाधान रिश्तों में सुधार के लिए बहुत जरूरी है। मोबाइल जीवन में हर इंसान के लिए अतिआवश्यक वस्तु जरूर है, पर घर-परिवार से इसे दूर रखना सभी की जिम्मेदारी होनी चाहिए। जो वैचारिक चिंतन माँ-बाप, भाई-बहन, भाई-भाभी व बच्चों का खेलते-मस्ती करते होता है, वह इस मोबाइल के कारण स्वयं ही समाप्त होने की कगार पर बढ़ रहा है। इस पर घर-परिवार, समाज और सभी को अपना पक्ष सकारात्मक सोच से ओत-प्रोत होकर रखना चाहिए।

गायब होती बेटियाँ: आख़िर किसकी बन रहीं शिकार

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में बेटियों की सुरक्षा हमेशा से ही सबसे गंभीर मुद्दा रहा है। इसे लेकर कई कानून भी बनाए गए हैं, लेकिन बावजूद इसके देश में लड़कियों के लापता होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार के अनुसार भारत में पिछले दो साल के बीच 15.13 लाख से ज़्यादा लड़कियाँ और महिलाएँ लापता हुईं हैं। अब ये महिलाएँ कहाँ गई, इनके साथ क्या हुआ, इसके बारे में किसी को कुछ भी नहीं पता है। इन लापता लड़कियों में 18 साल से कम और उससे ज़्यादा दोनों उम्र की महिलाएँ शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर रोज़ 345 लड़कियाँ गायब हो जाती हैं। इनमें 170 लड़कियाँकिडनैप होती हैं, 172 लड़कियाँ लापता होती हैं और लगभग 3 लड़कियों की तस्करी कर दी जाती हैं। इनमें से कुछ लड़कियाँ तो मिल जाती हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लापता, किडनैप और तस्करी की गई लड़कियों का कुछ पता नहीं चलता। इस संख्या की गणना गुमशुदा महिलाओं और लड़कियों के सम्बंध में पुलिस स्टेशनों में दर्ज रिपोर्टों के आधार पर की है।

हालांकि सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि असल संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कई परिवार सामाजिक कलंक समेत विभिन्न कारणों से लापता लड़कियों की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराते हैं। आंकड़ों के अनुसार सबसे ज़्यादा महिलाएँ मध्य प्रदेश से लापता हुई हैं। एमपी के बाद लिस्ट में दूसरा स्थान बंगाल का है। इन राज्यों के अलावा राजधानी दिल्ली में भी लड़कियों और महिलाओं के गायब होने के कई मामले सामने आए हैं। आंकड़ों की मानें तो केंद्रशासित प्रदेशों में राजधानी दिल्ली इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। रिपोर्ट चौंकाने वाली है। जो लड़कियाँ गायब होती हैं, उनमें से अधिकतर का पता नहीं चल पाता कि उनके साथ क्या हुआ है? वे कहाँ गई हैं? लापता होने के पीछे राज क्या हैं? 16 दिसम्बर 2012 को दिल्ली के निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कई कठोर कानून बनाए गए, लेकिन सवाल ये है कि क्या कानूनों के बनाए जाने के बाद भी देश में महिलाओं की स्थितियाँ सुधरी हैं या महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों में कोई कमी नज़र आई है भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को लेकर कई कानून बनाए गए हैं।

देश में हो रहे यौन अपराध को रोकने के लिए पुराने कानूनों में संशोधन भी किया गया और उसे कठोर भी बनाया गया है। इसके अलावा देश में 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ रेप की घटना में दोषी को मृत्युदंड सहित कई कठोर दंडात्मक प्रावधान भी तय किए गए हैं। देश भर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई पहल की हैं, जिसमें यौन अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम के लिए आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 शामिल है। इसके अलावा, आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 को 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के बलात्कार के लिए मौत की सजा सहित और भी अधिक कठोर दंड प्रावधानों को-को निर्धारित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। अधिनियम में बलात्कार के मामलों में दो महीने में जांच पूरी करने और आरोप पत्र दाखिल करने और अगले दो महीने में सुनवाई पूरी करने का भी आदेश दिया गया है। सरकार ने आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली शुरू की है, जो सभी आपात स्थितियों के लिए एक अखिल भारतीय, एकल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त नंबर (112) आधारित प्रणाली प्रदान करती है, जिसमें संकटग्रस्त स्थान पर फील्ड संसाधनों को कंप्यूटर सहायता से भेजा जाता है।

स्मार्ट पुलिसिंग और सुरक्षा प्रबंधन में सहायता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए, पहले चरण में आठ शहरों-अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में सुरक्षित शहर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। फिर भी भारत में महिलाएँ आज से 10 साल पहले भी यौन अपराधियों का शिकार बनती रही है और आज भी हालात कुछ बहुत ऐसे ही हैं। देश में छेड़छाड़, अपहरण और दुष्कर्म जैसे मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार के तमाम दावों के बावजूद भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध रुक नहीं रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण इस मुद्दे को लेकर सभी राजनीतिक दलों में रुचि की कमी है। देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हर महिलाओं और लड़कियों को कुछ कानूनों के बारे में जानना बेहद ज़रूरी है। इन कानूनों में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, महिला सुरक्षा कानून, पॉक्सो एक्ट कानून शामिल है

आँसूओं में न बहाया करो...!

दिल के अरमा आँसूओं में न बहाया करो,
मेरे पास खुशियाँ है साथ ले जाया करो।
क्यों? हर बार आँसूओं को कष्ट देना हैं,
उन्हें सूखने की मोहलत तुमसे लेना है।
इतनी मजबूरियाँ साथ में न लाया करो,
मैं भी दुखी हूँ मेरे आँसू ले जाया करो।

दिल के अरमा आँसूओं में न बहाया करो,
मेरे पास खुशियाँ है साथ ले जाया करो।
कभी तो आनंद का उत्सव मनाया करो,
दु:खों की पोटली घर छोड़ आया करो।
एक-दूजे का खयाल रख पार पाना है,
न माने अपने, सुख से अलग हो जाना है।

दिल के अरमा आँसूओं में न बहाया करो,
मेरे पास खुशियाँ है साथ ले जाया करो।
क्या? होगा जो तुम मेरे साथ न होगी,
हमें तो हमेशा बनना था प्रेम का रोगी।
फक्त शरीर ही अपने साथ में ना होंगे,
ये हृदय तो साथ में धड़कते हुए मिलेंगे।

संजय एम. तराणेकर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023